—:: कार्यवाही विवरण ::—

M/s Arpa Coal Benefication & Energy LLP द्वारा Village-Bhilai & Ralia, Tehsil-Masturi, District-Bilaspur (C.G.) में प्रस्तावित Greenfield Wet Type Coal Washery Project Based on Heavy Media Cyclone Technology- 2.6 MTPA के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) की अध्यक्षता में **दिनांक 25/08/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान मिनी क्रिकेट स्टेडियम ग्राम–जयरामनगर, तहसील–मस्तूरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के तहत् M/s Arpa Coal Benefication & Energy LLP द्वारा Village-Bhilai & Ralia, Tehsil-Masturi, District-Bilaspur (C.G.) में प्रस्तावित Greenfield Wet Type Coal Washery Project Based on Heavy Media Cyclone Technology- 2.6 MTPA के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में आवेदन किया गया।

उक्त परियोजना हेतु लोक सुनवाई दिनांक 07/01/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान क्रिकेट मैदान, ग्राम पंचायत परसदा (किसान), तहसील–मस्तूरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में नियत की गई थी, जिसकी सूचना स्थानीय समाचार पत्र **पत्रिका**, बिलासपुर में दिनांक 06/12/2024 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र **फायनेंशियल एक्सप्रेस**, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 06/12/2024 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तत्समय प्रस्तावित परियोजना के संबंध में आपत्ति/सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी, सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार, पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। इस दौरान कोई भी लिखित/मौखिक आवेदन/आपत्ति/सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई तथा जिसे अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.) के आदेश पत्र क्रमांक/क/स.व.लि./लो.सु./2025 बिलासपुर दिनांक 06/01/2025 के द्वारा उक्त आयोजित होने वाली लोक सुनवाई को अपरिहार्य कारणों से आगामी आदेश तक स्थगित किया गया था।

पुनः प्रस्तावित परियोजना के लोक सुनवाई **दिनांक 25/08/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान मिनी क्रिकेट स्टेडियम ग्राम–जयरामनगर, तहसील–मस्तूरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित करने हेतु स्थानीय समाचार पत्र **पत्रिका**, बिलासपुर में दिनांक 09/08/2025 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र **फायनेंशियल एक्सप्रेस**, नई दिल्ली के

मुख्य संस्करण में दिनांक 09/08/2025 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई। भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की अधिसूचना दिनांक 09/05/2022 के तहत् में परियोजना के संबंध में आपत्ति/सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी, इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 15 दिवस के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार, प. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 04 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ हैं।

ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत बिलासपुर, जिला–बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मस्तूरी, जिला–बिलासपुर, कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर, जिला–बिलासपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत–भिलाई, रलिया, परसदा, गतौरा, जयरामनगर, देवगांव, पाराघाट, बेलटुकरी, भनेसर, कछार, मस्तूरी, हरदा, भदौरा, मोहतरा, कुरूभाटा, तहसील–मस्तूरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.),** डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 25/08/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान मिनी क्रिकेट स्टेडियम ग्राम–जयरामनगर, तहसील–मस्तूरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही निर्धारित समय पर आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री शिव कुमार बनर्जी, अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ

श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से उद्योग प्रतिनिधि **श्री निखिल कुमार, जे.आर.सी. इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, नोएडा** के द्वारा M/s Arpa Coal Benefication & Energy LLP द्वारा Village-Bhilai & Ralia, Tehsil-Masturi, District-Bilaspur (C.G.) में प्रस्तावित Greenfield Wet Type Coal Washery Project Based on Heavy Media Cyclone Technology- 2.6 MTPA के परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्रीमती गनेशिया बाई, ग्राम–खैरा** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
2. **श्रीमती हल्काचंद, ग्राम–खैरा जयरामनगर** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
3. **श्रीमती सिरीत बाई, ग्राम–खैरा** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
4. **श्रीमती सकरबाई, ग्राम–खैरा** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
5. **श्रीमती अनिता, ग्राम–खैरा जयरामनगर** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
6. **श्रीमती अंचल, ग्राम–खैरा** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
7. **श्रीमती अंबिका भात, ग्राम–जयरामनगर** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए।
8. **श्रीमती रायगढ़हीन, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव।
9. **श्रीमती सुकृता बाई यादव, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव।

10. **श्रीमती राशन बाई, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए हमुमन आये हव।

11. **श्रीमती कमला बाई, ग्राम–देवगांव** :–समर्थन के लिए आये हव।

12. **श्रीमती ललिता भात, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव।

13. **श्रीमती कोमहीन भात, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव ।

14. **श्रीमती फूलोबाई, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव।

15. **श्रीमती भकतीन बाई, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव।

16. **श्रीमती कुसुम बाई, ग्राम–देवगांव** :– काम होना चाहिए।

17. **श्रीमती हल्का बाई भात, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

18. **श्रीमती रेखा भात, ग्राम–देवगांव** :– समर्थन के लिए आये हव।

19. **श्री दीपक कुमार भानू, ग्राम–बेलटुकरी** :– मैं समर्थन के खिलाफ हूॅ। क्योंकि पहले भी राशि प्लांट खुल चुका है। जिसमें क्षेत्रीय लोगों को रोजगार नहीं दिया गया। ये भी प्राईवेट कंपनी है वादा बस करती है। लोकल ग्रामीणों को ही देंगे रोजगार, ऐसा कभी नहीं हुआ है। इसके हम लोग विरोध में है। हमारे गांव को बहुत तकलीफ भी बहुत होती है। क्योंकि पानी की समस्या ऑलरेडी है हमारे गांव में।

20. **श्री द्रविण कुमार टंडन, ग्राम–भनेसर** :– मैं इस कंपनी के खुलने का विरोध करता हूॅ। क्योंकि हमारे ग्राम–भनेसर में तीन कोल वॉशरी ऑलरेडी है। अगर उसने किसी को रोजगार दिया होगा। हमको दिखाकर बता दे कि परमानेंट ढूंढे उसको रोजगार दिया है। दिया भी है तो ठेकेदारी में चला रहा है तो 250 रूपया रोजी दे रहा है। 8 घंटा मजदूरी में 300–400 देना चाहिए कि नहीं देना चाहिए। मैं इसका समर्थन भी नहीं करूंगा विरोध भी नहीं करूंगा। क्योंकि सब चीज जमीन बेचने वालो की है। अगर जानते है कि कोल वॉशरी खुलना है तो जमीन को बेचना ही नहीं चाहिए था।

21. **श्री ठाकुर जग्गू सिंह, ग्राम–जयरामनगर** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए। बेरोजगारो को रोजगार मिलेगा।

22. **श्री मनीराम यादव, ग्राम–जयरामनगर खैरा** :– खुलना चाहिए माने खुलना चाहिए। सभी जगह वही हाल है खुल रहा है तो रोक नहीं सक रहे है। कोई बोल नहीं सक रहा है सब डस्ट तो खा ही रहे है। एनटीपीसी का इतना धूर्रा आ रहा है कोई आदमी रोक सकता है क्या एनटीपीसी का धूर्रा, हर समय में आता है बैठे–बैठे है लोग कोई बोल सकता है क्या उन लोगों को कोई नहीं बोल सकता है।

23. **श्री अंकित साहू, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

24. **श्री दुकालू सिदार, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

25. **श्री सोमनाथ केवट** :– प्लांट खुलना चाहिए।

26. **श्री रोहित सिदार** :– प्लांट खुलना चाहिए।

27. **श्री समीर यादव** :– प्लांट खुलना चाहिए।

28. **श्री करन** :– प्लांट खुलना चाहिए।

29. **श्री मनोज दास, खैरा जयरामनगर** :– प्लांट खुलना चाहिए भाई रोजगार मिलेगा।

30. **श्री फागू लाल साहू, ग्राम–जयरामनगर खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

31. **श्री भानू प्रताप साहू, ग्राम–जयरामनगर खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

32. **श्री मोतीलाल साहू** :– प्लांट खुलना चाहिए।

33. **श्री रजत कुमार ओगरे, ग्राम–देवगांव** :– प्लांट खुलना चाहिए। प्लांट खुलने से रोजगार मिलेगा। समर्थन करते है।

34. **श्री रूपेश कुमार वस्त्रकार, ग्राम–पाराघाट** :– प्लांट खुलना चाहिए।

35. **श्री श्याम खांडेकर, ग्राम–पाराघाट** :– प्लांट खुलना चाहिए। ताकि क्षेत्र का विकास हो।

36. **श्री भागवत वस्त्रकार, ग्राम–पाराघाट** :– प्लांट खुलना चाहिए।

37. **श्री मदन लाल वस्त्रकार, ग्राम–पाराघाट** :– प्लांट खुलना चाहिए। हम समर्थन करते है।

38. **कु. अंजनी रात्रे, ग्राम–जयरामनगर** :– मेरा भी समर्थन है कि प्लांट खुलना चाहिए। ताकि बेरोजगार को रोजगार मिल सकें।

39. **कु. नीतू रात्रे, ग्राम–जयरामनगर** :– प्लांट खुलना चाहिए।

40. **श्रीमती सोनबाई, ग्राम–पाराघाट** :– नौकरी मिलना चाहिए।

41. **श्री सरोज कश्यप** :– प्लांट खुलना चाहिए।

42. **श्री राम सिदार, ग्राम–खैरा जयरामनगर** :– प्लांट खुलना चाहिए।

43. **श्री सिद्धू, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए। हम लोग को रोजगार मिलना चाहिए।

44. **श्री कुलदीप यादव** :– प्लांट खुलना चाहिए।

45. **श्री सनसिदार, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

46. **श्री राम शंकर साहू, जयरामनगर** :– प्लांट खुलना चाहिए। बेरोजगार को रोजगार मिलना चाहिए।

47. **श्रीमती पंचकुंवर सिदार, ग्राम–खैरा** :–प्लांट खुलना चाहिए।

48. **श्रीमती दूजबाई, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

49. **श्रीमती कविता वस्त्रकार, ग्राम–पाराघाट** :– प्लांट खुलना चाहिए। सबको नौकरी मिलना चाहिए।

50. **श्रीमती शीतला वस्त्रकार, ग्राम–पाराघाट** :– प्लांट खुलना चाहिए।

51. **श्रीमती दुर्गेश कुमार वस्त्रकार, ग्राम–पाराघाट** :–प्लांट खुलना चाहिए। हमन गरीब आदमी हन। मोर एक ठीक लईका ला लेना चाहिए।

52. **श्रीमती साधमती, ग्राम–खैरा** :– घरवाला खत्म हो गये है मैं मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं पाये हव। मैं गरीब आदमी हव।

53. **श्री जितेन्द्र यादव, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना है।

54. **श्री हितेश पटेल, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

55. **श्री श्याम लाल, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए।

56. **श्री जीतराम भार्गव, ग्राम–कछार** :– प्लांट खुलना चाहिए, लेकिन क्षेत्रीय आदमी को प्राथमिकता देना चाहिए हर काम के लिये, ये नहीं कि बाहर से लाकर यहां रखते जाए ।

57. **श्री रामेश्वर साहू, ग्राम–बेलटुकरी** :– मैं ग्राम पंचायत बेलटुकरी का पूर्व सरपंच, वर्तमान में मेरा श्रीमती सरोज साहू सरपंच है ग्राम पंचायत बेलटुकरी का, और यहां ये कोल वाशरी अरपा कोल वाशरी खुल रहा है, इसका मैं विरोध कर रहा हूं, ये अरपा कोल वाशरी नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए, ये अरपा कोल वाशरी खुलने से हमारे जयरामनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेलटुकरी, भनेसर यानि यहां के जनजीवन जो अस्त–व्यस्त हो जायेगा। उनको घुट–घुट के मरने के लिये बेहोश होना पड़ेगा और ये सोच रहे हैं थोड़ी थोड़ी पैसे के लालच में आकर के लोगों को भड़काया जा रहा है कि खुलना चाहिए कहके, ऐसा नहीं होना चाहिए ये जनहित का मुद्दा उठाने के लिये मैं जनप्रतिनिधि के नाते यहां पर बोल रहा हूं ये जो कोलवाशरी खुल रहा है यहां से हमारे जो ग्राम पंचायत बेलटुकरी, भनेसर और भिलई का जो तीनों गांव के गांव की जो जीवनयापन होता है उसी जीवनदायिनी

वहां से नाला बहा हुआ है, उस नाला में हमारे तीनों गांव के जो मवेशी का निस्तारी का जो व्यवस्था है उसे हमारे भिलई के, बेलटुकरी के और भनेसर के तीनों गांवो के लोग निस्तारी करते हैं उस नाले में, उस नाले का क्या होगा ऐसे कोलवाशरी खुलने से हमारे हरदा, रलिया, राख, पंधी, बेल्दी यहां के लोगों के लिए आने–जाने में, वहां के बच्चे जो हैं जयरामनगर में आकर के पढ़ाई करते हैं, हमारे जयरामनगर मेन शहर है यहां का, यहां से हमारा जीवनयापन, खरीदारी, जो भी लेनदेन जयरामनगर हमारा बाजार है। यहां से रेल्वे स्टेशन है, यहां पर मंडी है, यहां से जैसे जाने का रास्ता है, ये जयरामनगर हमारा मार्केट है, मार्केट जयरामनगर आने–जाने में हमें बहुत सारा दिक्कत होगा, ऐसे कोलवाशरी का हम विरोध करते हैं। पूरे गांववासी के ओर से भिलई, रलिया, कछार, हमारा नवागांव गांव है कि वो उसमें नहीं जोड़ा जाए जो प्रभावित गांव है, आप उसको छोड़के जितना ज्यादा दूर का गांव है, उसको इसमें लिया गया है और ये कोलवाशरी का हम विरोध करते हैं, पूरजोर विरोध करते हैं। आज हमारे गांव का, मवेशी का, वहां पर पानी पीने के लिए बेबस हो जाएंगें। उसमें मछली का धंधा भी करते हैं हमारे गरीब लोग उस नाले में और गांव के किसान लोग कर रहे हैं, कई जगह एनीकेट बना हुआ है, जिससे हमारे किसानों का जीवनयापन होता है। ऐसे जो हमारा जीवनदायिनी नाला है, उसका भी उस कोलवाशरी खुलने से उसमें पूरा नुकसान ही नुकसान है। वहां से महज 500 मीटर में हमारे पूर्व माध्यमिक शाला और मिडिल स्कूल बेलटुकरी में है। वहीं से 500 मीटर में पूर्व माध्यमिक शाला भिलाई में खुला हुआ है। रलिया भी वहीं से नजदीक है और पूर्व से हम लोग जो पर्यावरण प्रदूषण की मार एनटीपीसी से भुगत रहे हैं उस समय भी मैं सरपंच था, तो वो बोले कुतुबमीनार से उंचा रहेगा चिमनी खुलने दीजिये कोई धुंआ से प्रभावित नहीं होंगे और इसको दबा के रखे थे जो यहीं जो पड़ा हुआ है धूल उड़ने वाला दिन ये दिन अभी आया है और जहां पर जिसको फायदा मिला है एनटीपीसी का उनको तो प्रदूषण नहीं हो रहा है लेकिन हमारे बेलटुकरी, कछार, हलाडीह जो प्रभावित नहीं हैं एनटीपीसी से हमलोग धूल खा रहे हैं, हमारा जीवन अस्त–व्यस्त है, बीमारी से ग्रस्त हैं, पूरे ग्रामवासी, हमारे क्षेत्रवासी आज उसके बाद ये राशि कंपनी खुला उस समय भी मैं सरपंच था, वो भी एनओसी दिये थे, वो भी बोले थे कि कोई परेशानी नहीं होगा, आज हमारे क्षेत्र के लोगों को वहां घुसने नहीं देता, बड़ा–बड़ा प्लांट लगाया है, उससे धूल उड़ता है हमारे बच्चे मिशन पढ़ने आते हैं, जयरामनगर पढ़ने आते हैं, आना–जाना बंद हो गया है सुबह से शाम तक के बच्चे को अगर स्कूल भेज दिये रहते हैं तो हमारा ध्यान लगा रहता है कि कैसे बच्चे सुरक्षित आयेंगे की नहीं इस प्रकार से बड़े–बड़े उद्योग से खतरा बना रहता है और ये कोल वाशरी के खुलने से पूरे रोड में, पूरे

क्षेत्र में गाड़ी को ऐसे चलायेगा कि हमारे क्षेत्र के लोग जो घर बनाये हुए हैं अभी उनको छोड़के जाना पड़ेगा यहां से, अभी की जो सुख–सुविधा है उसको मत देखो खुल के विरोध करो अभी नहीं जागोगे तो कब जागोगे फिर पीछे पछताओगे, अभी से जाग जाओ विरोध करो, पर्यावरण जो मंत्रालय है वो हमारे साथ है, तो ये कोलवाशरी है इसका मैं पूरजोर से मैं, समस्त ग्रामवासी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष हूॅ उसके सीपत ब्लाक कांग्रेस की ओर से पूरे सभी की ओर से मैं ये जो कोलवाशरी जो है न सिर्फ अभी हमारे लोगों को कोई रोजगार भी नहीं मिलेगा। इससे अगर आप लोग सोचते होंगे कि इतना बड़ा कोलवाशरी आप लोग देख रहे हैं एनटीपीसी में किसी को रोजगार नहीं मिला है हमारे क्षेत्र वालों को जितने लोग धूल खा रहे हैं उनको और राशि कंपनी में भी देख रहे हैं ये छोटा सा कोलवाशरी यहां पर हो रहा है इसमें भी कितना प्रदूषण हो रहा है इसको भी आप लोग देख रहे हैं इसका आप सब साक्षी हो इसके बाद भी आज जो जमीन को लिये हैं उसमें बताये भी नहीं है कि इसमें कोलवाशरी खुलेगा कि नहीं खुलेगा, किसानों से बिचौलियों के द्वारा लिया गया है और आज इसमें कोल वाशरी का जन सुनवाई कराया जा रहा है इस कोलवाशरी के जनसुनवाई का मैं पूरजोर विरोध करता हूं।

58. **श्री अभयनारायण राय, ग्राम–महमंद** :– मैं अभयनारायण राय, उपाध्यक्ष अरपा विकास प्राधिकरण, इस जनसुनवाई में अरपा कोल बेनिफिकेशन का विरोध करता हूॅ और रलिया निवासरत बस्ती के कुछ लोगों को कंपनी के लोग को ये बोले होंगे, रोजगार की बात कर रहे हैं ये इसके लगने के फायदे बता रहे होंगें ऐसे कोलवाशरियों को लेकर बहुत सी बातें लगातार हम लोग अपने क्षेत्र में देखते हैं, ग्राम–रलिया एवं उसके आसपास के 10 गांव की हजारों एकड़ जमीन किसानी की है, किसानी होती है, आज सरकार धान का उचित मूल्य दे रही है, समर्थन मूल्य दे रही है। किसानी से हमको आज फायदे का सौदा है फिर हम क्यों अपनी जमीन उद्योगपतियों को बेच रहे हैं, क्यों हम कोलवाशरी अपने गांव में धुंआ, प्रदूषण और तमाम प्रकार की जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, जल जीवन के लिये हानिकारक है उनको स्थापित करने जा रहे हैं इसको आप लोग जरूर स्वीकर करिये। मैं यही निवेदन करता हूॅ कि आज के फायदे के लिये, एक कहावत है फायदे के लिये कायदे नहीं भूलाना चाहिए। आज आपको फायदा दिख रहा है आपका 25 एकड़ 30 एकड़ खेती की जमीन खरीदकर कोई उद्योगपति वहां वाशरी लगा रहा है और वो लाभ की बात कर रहा है तो वह स्थापना के पहले झूठ बोलना चालू कर दिया है। स्थापना के बाद क्या होगा। वो एनटीपीसी का 100 किलोमीटर के दायरे में देख लीजिये जहां–जहां कोल वाशरी है, एक बार उस गांव

का भ्रमण करके आप आ जाइये, जो लोग पक्ष में बात कर रहे हैं उनसे निवेदन कर रहा हूँ कि अपना फायदा नुकसान आप देख रहे हैं। बात करो तो आपत्ति है, मैं आपसे पूछ रहा हूं, कितने लोगों ने कोल वाशरी स्थापना की मांग की थी, एक आवेदन दिखा दीजिये, किस संस्था के बाहर कोल वाशरी स्थापित होने एनओसी देने के लिये आप लोग आये हैं, पर्यावरण विभाग से पूछ रहा हूं कितने में क्या है, कितने लोगों ने एनओसी ली है, कि आप जन सुनवाई करने के लिये चले आये हैं जब एक बार स्थगित हो गई थी सुनवाई तो फिर किस जनता ने कहा कि जन सुनवाई होनी चाहिये। दूसरी बात आप सब गांव से निकल कर आये हैं आप अधिकारी बने हैं, लेकिन रहने वाले आप ग्रामीण इलाके के हैं। पर्यावरण को पब्लिक से ज्यादा आप समझते हैं पर्यावरण की मैडम बैठीं है श्रीवास्तव मैडम वो समझती हैं, एसडीएम साहब बैठे हैं वो समझते हैं, अर्चना झा मैडम आई हैं वो समझती हैं। आज कौन सा रोजगार सृजन होने जा रहा है और कितने रोजगार सृजन होंगें, किन–किन पदों में रलिया गांव के लोगों की भर्ती होगी क्या ये डिक्लीयर किया है कंपनी ने, सारे लोग जो आज कंपनी के लिये घूम रहे हैं, जो लोग बाहर से आये हैं वही लोग कंपनी में आकर काम करेंगें, उद्योग लगने के बाद रोजगार के लिये बरगलाएंगे, अगर सरकार को कोई उद्योग ही लाना था तो ऐसा उद्योग लाते जिसके लगने से कोई फायदा होता। सबसे बड़ी समस्या उत्पन्न हो गई किसानों को और दूसरी समस्या होगी पीने का पानी कोल वाशरी में पीने का पानी हमारा कोल वाशरी के खाते में जायेगा। सिंचाई का पानी हमारा कोल वाशरी के खाते में जायेगा। न सिंचाई के लिये पानी मिलेगा, न पीने के लिये पानी मिलेगा और हम सब पानी के लिये भी तरसेंगें अगर कोई फैक्ट्री लाना है तो लाइये जिसमें खेती हो, जिसको आप 25 एकड़ जमीन में लगाएंगे, तो न पानी की आवश्यकता पड़ेगी और इण्डस्ट्री लग जायेगी और रोजगार बढ़ेगा। मैं तो यह भी कहता हूं कि उद्योगपति से ज्यादा जिला प्रशासन और हमारा मस्तूरी प्रशासन इनको सपोर्ट करके हम सबके साथ छल कर रहा है प्रशासन का विरोध और जन सुनवाई का भी विरोध और हमारी लड़ाई केवल यहां विरोध दर्ज कराने तक नहीं है। हम इसको लेके आवश्यकता पड़ेगी तो कोर्ट के दरवाजे भी खटखटायेंगें, न्याय के रास्ते से हम इसका विरोध करेंगें, मैं आप सबके समक्ष उपस्थित हुआ। इसका विरोध दर्ज करने के लिये और मैं निवेदन करता हूँ अधिकारियों जो उद्योगपति के तरफ न देखे आप देखिये मस्तूरी की जनता की तरफ, मस्तूरी के किसानों की तरफ, जल का उपयोग करने वाले जो पीने का पानी है आप सब गांव वालों में न स्कूल की व्यवस्था है न पानी की व्यवस्था है। अभी जो सड़क से आया हूँ पुरानी मस्तुरी से हो के, मैं अधिकारियों से निवेदन करूंगा पुरानी मस्तूरी हो के जायेंगे, हाईवे से नहीं जायेगें,

मेरी कार गड्ढे में समा गई थी। ये तो सड़को की हालत है, उसको सुधार के लिए कोई जन सुनवाई नहीं है एक उद्योगपति का उद्योग लगाने के लिये जन सुनवाई हो रही है। मै इसका विरोध करता हूॅ, धन्यवाद।

59. **श्रीमती अनुप्रिया जगत, ग्राम–खैरा** :– प्लांट खुलना चाहिए और रोजगार के लिये प्लांट खुलना चाहिए।

60. **श्री शशिकांत तंबोली, जयरामनगर** :– जय छत्तीसगढ़ आप सभी महानुभावों का मैं सादर अभिनंदन करता हूॅ, मैं किसी अधिकारी कर्मचारी को ऐसे व्यक्तिगत परिचय से तो नहीं जानता, आप सभी का अभिनंदन करता हूॅ नमस्कार। मैं कोल वाशरी से पीड़ित व्यक्ति हूं, गतौरा में कोल वाशरी है, हिन्द एनर्जी करके वहां मेरा प्लाट लगा हुआ है, मैं उससे इतना दुखी हूॅ कि मैं अपने पिताजी को फेफड़े की बीमारी से खो चुका हूं और अपने बड़े भाई को वहां खेती करते हुये हार्ट अटैक से खो चुका हूं और मैं वहां पर आज के तारीख में मेरे बोर से पानी आना बंद हो गया है क्योंकि वहां के कोल वाशरी में 12 इंच, 8 इंच, 10 इंच का बहुत गहरा–गहरा बोर खुदा हुआ है। इसलिये मैं फसल उगा नहीं पाता और थोड़ा बहुत भी मिलता है मेरे को तो मेरे को सोसाइटी में काला धान है कहके भगा दिया जाता है। ये मैं एक किसान होने का दर्द झेल रहा हूॅ, ताकि आप लोगों को समस्या न हो, और मैं तो पिता जी खो चुका हूं, बड़ा भैया खो चुका हूॅ, आप लोगों को भी कुछ खोने के लिए है तो कोल वाशरी का स्वागत करिये अन्यथा आपका इच्छा है और इसमें हमारे बच्चों का कितना नुकसान होगा अभी तो इतना हाईवा चल रहा है इसके बाद और कितना चलेगा जब एक्सीडेंट होते जाएगा तब पता चलेगा कि हमने क्या कर दिया। किसान को अन्नदाता का स्वरूप मिला है लेकिन अन्नदाता का किसी प्रकार का कोई कदर और इज्जत नहीं है और मैं इससे ज्यादा और क्या कहूॅ। जो भी समर्थन करने वाले भाई–बन्धु है और जो है उनके दिमाग में ये बात को डाला हूॅ मैं बहुत दुखी किसान हूॅ न मेरे को मुआवजा मिलता है पानी पड़ता है बरसात का काला–काला मेरे पास वीडियो है। यहां पर प्रोजेक्टर होता तो मैं जरूर दिखाता मेरे खेत की स्थिति क्या है और मैं अनुरोध करूंगा शासन से कि मुझे उस जगह से कुछ मुआवजा दिलवाने का प्रयास करेंगें। मैं आवेदन लगाउंगा आप लोगों के पास और मुझे न्याय देने की कृपा करेंगें और इतना कहके मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूॅ। मेरा पूरा खेती गतौरा कोल वाशरी के पास है, आप लोग इस चीज को समझियेगा, दुख–दर्द को समझियेगा मेरा एक किसान होने के नाते क्योंकि मैं एक किसान होते हुये भी पंजीयन होते हुये भी धान नहीं बिक पाता और मुझे उस काले

धान के लिये कितना सुनाया जाता है मैं जानता हूँ, चॉवल नहीं खा पाता मैं उसमें का ये दर्द झेलते हुये बैठा हूँ महोदय आप लोगों से भी निवेदन है कि किसानों के हित में ही इस चीज को ध्यान में रखते हुये आप लोग भी निर्णय लेंगे अधिकारी महोदय से निवेदन है। जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।

61. **श्री विवेक शर्मा, जयरामनगर** :– सभी प्रकार से त्रस्त जीवन हमारे क्षेत्र का है, यहां से राशि प्लांट महत 02 किलोमीटर में है। जहां पे प्रस्तावित हो रहा है आपका वाशरी जयरामनगर रेल्वे साइडिंग जो कोल वाशरी बन चुकी है वो महज 1.5 किलोमीटर में है, प्रस्तावित जगह से 500–500 मीटर की दूरी में तीन–तीन शासकीय विद्यालय है। उसमें बच्चों का भविष्य, उन बच्चों की जिंदगी कैसे कटेगी वो आप लोग समझिये, गैस पाईप जो गेल कंपनी का है वो उस जमीन के नीचे से निकला हुआ है, दुर्घटना क्या घटेगी वो प्रशासन समझे। आये दिन इस रोड में कितने एक्सीडेंट होते हैं इसकी जानकारी कोई नहीं बता सकता है। उस एक्सीडेंट में कितने परिवार के कर्णधार, बच्चे, महिलायें खतम हो रही हैं उसकी जानकारी आप सबको है उसके बाद भी यदि कोई अनभिग्य होंके इस कोल वाशरी का सपोर्ट करेगा, तो मेरे हिसाब से इससे बड़ा दुर्भाग्य हमारे क्षेत्र के लिये नहीं होगा, इसलिये मैं पूर्णता खुल के इस क्षेत्र में रलिया ही नहीं इस पूरे क्षेत्र में कोल वाशरी का विरोध करता हूँ, नहीं खुलना चाहिये ।

62. **श्री मेघनाथ खाण्डेकर, ग्राम–बरमकेली** :– मेरा गॉव जहां रलिया में स्थापित हो रहा है कोल वाशरी उससे 02 किलोमीटर मेरा घर है, लेकिन पर्यावरण के अधिकारी लोगों को पता नहीं क्या हो गया था हमारे गांव को पर्यावरण के अनुकूल ही नहीं समझे 5000 के आबादी वाला गांव है। पर्यावरण का बिल्कुल निष्क्रियता है। मेरे गांव को छोड़कर के मस्तूरी तक के उन्होंने नाम लिखा है, लेकिन मस्तूरी वहां से 07 किलोमीटर है मेरा गांव 02 किलोमीटर है। मैं इस कोल वाशरी का पूरा विरोध करता हूँ। हमारा कोल वाशरी खुलने से अभी वर्तमान में राशि कंपनी जो है जहां से ट्रक आती है स्टेशन से जो ट्रक आती है कोल लेकर आती है जयरामनगर जहां ओवरब्रिज बन रहा है आप लोग देखेंगे वहां पर एकात तालाब बन गया है। कोई ध्यान नहीं देते हैं बच्चे लोग गिर जा रहे हैं कई लोगों का मौत भी हो चुका है, लेकिन इसको कोई ध्यान नहीं देते हैं। आज ये जन सुनवाई जो हो रहा है मेरे को लग रहा है कि सरकार स्वयं करा रही है। क्योंकि यहां कर्मचारियों और अधिकारियों से कम तो जनता है यहां पर, इस टाईप का जन सुनवाई जो कर रहा है दबावपूर्वक गांव के लोग आ भी नहीं पा रहे हैं रास्ता भी खराब कर दिये हैं और

कहीं न कहीं दबाव में कुछ लोग आ भी नहीं पा रहे हैं। मैं इस कोल वाशरी का पूरा–पूरा विरोध करता हूँ, कोल वाशरी नहीं खुलना चाहिए।

63. **श्री जयरामप्रसाद भानू, ग्राम–बेलटुकरी** :– मैं ए कोल वाशरी खोलत हे तेखर बर पूर्ण रूप से विरोध करत हंव, काबर सरकार ह काहत हे शासन ह काहत हे सब काहत हे एक पेड़ ल अपन दाई के नाम म लगावा, त दाई के नाम म लगावा त अभी जतका लगाहा कोल वाशरी खोलही त पूरा पर्यावरण नुकसान, जल प्रदूषण नुकसान, संपूर्ण नुकसान होही। अभी सम्मानीय बोली है ओला कोई सब प्रशासन के ध्यान नई दय अउ ये कोल वाशरी के इंहा स्थापना करे हे, इहां शिविर लगाय हें, पूरा एकरो सेती मैं विरोध करत हंव काबर के इंहा आश्रित गांव नो हे खैरागढ़ ह रतीस त बेलटुकरी म रतिस, रलिया म रतिस, राशि के ओ पार रतिस, आधा आदमी तो आय नई हे जगह के, लईका मन आय नई हे जगह के, अहि तीर तखार मन हवय, अउ जतका भी सरकारी कर्मचारी हे ते मन हंवय अउ सब अइसे कहत हें वास्तविक म देखे जाय त सही मायने म रतीस त पर्यावरण ल देखके अउ वायु प्रदूषण ल देखके, जल प्रदूषण ल देखके अधिकारी कर्मचारी घला मन पढ़े लिखे हें इ मन पर्यावरण ल देखके येखर पूरा विरोध करतीन जइसे अभी हमन एकर विरोध करत हन। हमरे सगा मन येखर विरोध नई करत हें, अभी बताईसे तंबोली जी ह पूरा ओखर परिवार खतम हो गय हे कोल वाशरी गतौरा के नाम से भनेसर म हे ओ नाम से अभी कोल वाशरी अगर खुलही त जतका भी पानी हे तेन नरवा में जाही एतका जनता हवन चार पांच ठन गांव के ओखर जीव–जन्तु के कोई क्रियाविधि नई कर सकय येला अधिकारी मन ला सोचना चाही बड़े–बड़े पढ़े लिखे आदमी, कलेक्टर आय हे, एस.पी. आय हे जतका भी अधिकारी आय हे येहु मन ला सोचना चाही अउ जेतका भी ठेकेदार हे तेनो ला समझना चाही अरे एक झन बड़का सेठ मन कोल वाशरी करत हे ओ अधिकारी मन ला सोचना चाही कतना आदमी के नुकसान हे, पशु–पक्षी के नुकसान हे, ये ही ल सोच–समझ के तुमन खोला अउ पूर्ण रूप से विरोध हे। सबसे पहली ये विरोध हे के येकर जन सुनवाई तेन ला ओ पार रहना चाहिए पूर्ण विरोध करत हव अउ मोर नाम लिख लव जयराम प्रसाद भानु सेवा निवृत प्रधान पाठक मैं इंग्लिस टीचर रहेव अभी पूछ लब जतका हे ततका ला मास्टर रहेव गुरू जी रहेव अउ गुरूजी रहू। बोलो जय हिंद भारत माता की जय।

64. **श्री कमल भार्गव, ग्राम–कछार सरपंच प्रतिनिधि** :– अरपा कोल वाशरी के मैं पूर्ण विरोध करत हंव, खुलना नहीं चाहिये, खुलना नहीं चाहिये।

65. **श्री तरूण सिंह चावला, ग्राम–जयरामनगर** :– मेरी राईस मिल का बिजनेस है। जिस हिसाब से ग्रवरमेंट वहां पर कोल वाशरी खोल रही है। मेरे को लगता है दुकानदारी छोड़कर मुझें भिख मांगना पड़ेगा क्योंकि वहां पर अन्न अनाज तो होना नहीं है। कोल वॉशरी खोलने के बाद जो हमारा सौ डेढ़ सौ साल पुराना खदान रहेगा ना हमारी मंदिर रहेगी, ना हमारा वहां का वातावरण रहेगा इसलिये मैं इस अपरा कोल वॉशरी का घोर विरोध कराता हूॅ और मैं इसके बिलकुल पक्ष में नहीं हूॅ। हमको आज चालीस साल हो गया जयराम नगर में रहते इतनी दुर्दशा इसके पहले हमने जयराम नगर की कभी नहीं देखी। हमारा खुद का व्यापारी संघ इतने तकलीफ में है। गतौरा ग्राम की सड़के आप कभी जाकर देखईयेगा। हम आज इतने तकलीफ झेलते है। हम अपनी जिंदगी को अपनी हथले में लेकर चलते है और हम उस रस्ते से चलते है तो ये सोचते हैं कि वापस आ पायेंगे कि नहीं आ पायेंगे। इतने हम तकलीफें झेलते है। जब कुछ अधिकारी हमारे साथ जायेगा तो हमारा दर्द समझेगा। एक हमारा फाटक पिछले पांच साल से खुला पड़ा हुआ है सरकार उसमें कोई ध्यान नहीं दे रहा है। सरकार सिर्फ अपना इनकम देखती है बस। आम पब्लिक और पर्यावरण से किसी को कोई लेना देना नहीं है। सिर्फ अपनी आवक देखती है। बस। तो मै तरूण सिंह चावला इस अपरा कोल वॉशरी को घोर विरोध करता हूं और इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं हूॅ।

66. **श्री मंगलराम सिदार, ग्राम–हरदाडीह** :– मैं ग्राम हरदाडीह का सरपंच हूॅ। कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिये। हमारे गांव के खिलाफ है।

67. **श्री रविकांत पटेल, ग्राम–हरदाडीह** :– मैं ग्राम हरदाडीह का उप सरपंच प्रतिनिधि बोल रहा हूं। यहां हमारे यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिये। यहां बच्चे लोग मेन रोड में स्कूल आते जाते रहते हैं बहुत दुर्घटना हाने की संभावना है। इसलिये यहां कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिये।

68. **श्री शिव नारायण साहू, ग्राम–रलिया :–** कोल वॉशरी यहां नहीं खुलना चाहिये हमारे यहां से तीन सौ बच्चे आते जाते है। कभी भी किसी भी का दुर्घटना हो सकता है। हम पुरजोर विरोध करते हैं कि यहां कोल वाशरी नहीं खुलना चाहिये।

69. **श्री आयुष शर्मा, ग्राम–जयरामनगर** :– मैं सर कोल वाशरी को संपूर्ण विरोध करता हूं। मैं पेशे से किसान हूं। जो कि सबसे ज्यादा कोल वाशरी से ज्यादा प्रभावित

जमीन हमारा ही है। हमारा पैतृक जमीन है वहां पर सर लाल बहादुर शास्त्री जी ने एक नारा दिया था जय जवान जय किसान वो सिर्फ नारा ही रह गया है। जवान की तो इज्जत हो रही है किसान को बिल्कुल नहीं हो रही है। सिर्फ हमारी बातें और चीजें हवाबाजी में हो रही है। हो सके तो बिल्कुल इस प्रोजेक्ट को रद्द किया जाये किसी भी तरीके से और जो लोग सपोर्ट में बोल रहे हैं कि रोजगार मिलेगा तो 3 एकड़ जमीन सर के पास भी है जिनकी कोल वॉषरी है उनको बोलियेगा 3 एकड़ में सब्जी का उत्पादन करेगा तो सौ लोगों से उपर को रोजगार मिलेगा। बो भी गांव के लोग है। वो स्कील्ड लेबर नहीं है। जो स्कील्ड लेबर हैं वो बाहर से आयेंगे और अनस्कील्ड लेबर ही यहां पर मिलते है। और पर्यावरण को कोई प्रभाव पड़ेगा और लोगों को सब्जीयां सस्ते में मिलेगी तो इसी के साथ मैं अपना विरोध जताता हू। और बिल्कुल भी नहीं खुलना चाहिये। हमारा किसी भी प्रकार का इन्फ्रास्ट्रचर ना रोड इन्फ्रास्ट्रचर ना वॉटर इन्फ्रास्ट्रचर कुछ भी सपोर्ट नहीं कर रहा इस चीज को। बिल्कुल नहीं खुलना चाहिये। बाकी आपकी इच्छा सर।

70. **श्री प्रहलाद साहू, ग्राम–खैरा** :– ये आयोजन ला गर्मी के दिन म रखे रहतीस त सरकार ल समझाये के काई जरूरत नई पड़तिस। जब धुर्रा गर्दा उड़ात आथे न तो खैरा से लेके मस्तुरी तक जाथे। अउ बरसात के दिन म आयोजन रखे हे। गांव आदमी मन ल बेवकुफ समझथे ये ह उचित नई हे। येही आयोजन जनसुनवाई ह अगर गर्मी के दिन म होतीस त सरकार ह आंखी कान ल रमज देतीन। मै चाहत हव के ये कोलवाशरी झन खुलय। मैं ऐखर विरोध करत हव।

71. **श्री छबिसिंग बंजारे, सरपंच संघ अध्यक्ष** :– ये बड़ा दुख की बात है कोल वाशरी जो खुल रहा है। गांव में जितना अभी धूल हो रहा है। क्योंकि की किसान तो धान बो नहीं पायेगा। ना कुछ भी हो पायेगा मैं इसका विरोध करता हूं।

72. **श्री देव सिंह सोनवानी, जिला चेयरमेन मानव अधिकार बिलासपुर** :– आज ये जन सुनवाई होत हे। रलिया प्रोजेक्ट म कोयला के येकर बर जनसुनवाई होत हे ये क्षेत्र कय झन कोलवाशरी ल खोल जा सकत हे मौका हे। बार बार जनसनुवाई होथे जनता बार–बार आंदोलन करथे। आप मन ला अधिकारी मन ल बार–बार आवेदन भी देथे। आवेदन दे के बाद भी का सुनवाई करे हा, सबसे बढ़िया अब देखा अरदा से लेक रेमशाही के रोड बर अतेक साल होगे हर एक बच्चा ह गिरत हपटत स्कूल वो ह जात हे पांच ठीक गांव के अभी कलेक्टर, एसडीएम सब ला आवेदन दे गेहे कभू सुनवाई करे हव आप मन। नई करे ह ऐ कोन टाईप के जन सुनवाई ये जब

जनता के निराकरण नई हो सकय। तो जनता के सुनवाई नई कर सका। ओ आप कल से इस्तिफा दे देवा। नई कर सका ना। आज जनता मन छोटे–छोटे बच्चा मन गिरत हे। आज आठ साल होगे कलेक्टर ला आवेदन दिये आउ एसडीएम भी ल जेकर आज तक के सुनवाई नई होइस। जेकर पैसा हे वोखर जन सुनवाई ये बहुत गलत बात ये। आज जनता मन ला चुतिया बनात हे छत्तीसगढ़िया मन ला भोला भाला समझ के। अउ अइसनहा कोल वाशरी नई खुलन दन। अरे आये दिन ये राखड़ आत हे एनटीपीसी के त कोईला खा के पेट ला भरिहा। ये कोल वाशरी जयराम नगर ले कोईला जात हे। अउ जगह–जगह ले आत हे। आये दिन एक्सीडेंट होत हे काखर सुनवाई होत हे। ये काखर जन सुनवाई ये। अइसनहा जन सुनवाई मत कराव। जनता के नई सुन सका ता। अगर ये खुलही त खुल के आंदोलन किये जाही। केस करे ल पड़ही त केस करबो जेल जाये ल पड़ही त जेल जाबो।

73. **श्री कृष्ण कुमार राठौर, ग्राम–गतौरा, उप सरपंच प्रतिनिधि** :– अरपा कोल वाशरी के विरोध म मै खड़े हव। मै कोल वाशरी के ऐकरसेती विरोध करत हव यहां हाईवा चलही त आये दिन एक्सीडेंट होही येकर भुक्तभोगी मै खुद हव मोर पिताजी एक्सीडेंट म खतम होय हे। जब ये राशि प्लाट ले गाडी जात रहीस तब। येकर से जन धन सब के हानी होही। येमा प्रदूषण भी बहुत बढ़ही। ये मा व्यापारी मन फायदा उठा के चले जाही। किसान मजदूर हम मन रोग से भोगत रहिबो। ये बहुत परेशानी हे। अरपा कोल वाशरी के खुल के विरोध करत हव मैं।

74. **श्री अनिल चरण, ग्राम–बिलासपुर, मजदूर नेता किसान नेता** :– मैं ग्लोबल वॉर्मिग से बयान करता हूं। ढेर सारे करीबी रिश्तेदार है यहां पर जिसके यहां आता जाता रहता हूं। हम आंदोलन को जायेगे। आप समझदार है सर।

75. **श्रीमती सत्यकली बावरे, ग्राम–बिनौरी, जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्र. 13 बिलासापुर** :– ये कोल वाशरी के मैं विरोध करत हव। बिल्कुल नही खुलना चाहिये। हमर मस्तुरी म कतका बढ़िया रहिस हे छत्तीसगढ़ ला कहिथे धान के कटोरा, आज कोल वाशरी खुलही त का होही धान के कटोरा के। मैं येखर खुल के विरोध करत हव। जन प्रतिनिधी होय के नाते जतनता ला प्रलोभन दे के कंपनी के रूप मा आके । जनता ला बहला फुसला के जमीन खरीद के कोल वाशरी खोलत हे। अगर बिजनेस लगाना हे त कोई अच्छा से बिजनेस लगाव जेमा हमार जनता के हित होय। मैं येखर खुल के विरोध करत हव ये अपन कोल वाशरी ल वापस लेवय।

कंपनी ह हमर जनता ला फ्री रूप से रहे देय। कोईला धुल खिलाई अउ जनता का प्रलोभन दे के जनता मन ला भी मै बालत हव क्यो खुलना चाहिये बतावा कंपनी बिल्कुल धोखा देथें और ना ही कोई विकास करै। अपन विकास करे बर आये हे। आज बड़े बड़े कंपनी लगाये हे वो अपन विकास करे बर आथे। अपन विकास करथे। मैं अधिकारी मन ला भी निवेदन करत हव बिल्कुल दोबारा बैठक नयी होना चाहिये कोल वाशरी के लिये। यदि लगाना ही हे जमीन खरीद डारे हे तो जन हित म कोई बिजनेस लगाये। लेकिन कोल वाशरी के लिये मैं बिल्कुल सहमत नइ हव। कितना बड़े बड़े हाईवा चलही आये दिन दुर्घटना होही ओखर जिम्मेदार कौन होही। कोई नई आव जेकर घर के जान जाही वोखर घर के जान जाही। मैं ऐखर खुल के विरोध करत हव बिल्कुल नहीं खुलना चाहिये। येखर लिये चाहे हाईकोर्ट के दरवाजा खटखटाय पड़ही बिल्कुल खटटवाहू अउ सुप्रीमकोर्ट जाये ल पड़ही ता सुप्रीमकोर्ट जाहूं। लेकिन मै येला खुले नई दौ। मैं कुछ दिन पहले कंपनी के मैनेजर ल फोन करे रहेव क्या हो रहा है करके तो मेरा फोन नहीं उठाया। आज ये जन प्रतिनिधी को फोन नहीं उठा रहा है। तो आम जतना को फोन उठायेंगे क्या ? कम से कम पूछना तो चाहिये क्यो फोन किये हो दीदी करके। मैं जनता से अपील करती हूं कि आप बिल्कुल इसमें सहमत मत होईये। अब इस कोलवासली को खुल कर विरोध करती हूं। करते रहूंगी। बिल्कुल यहां पर नहीं खोलना है। यदि लगानी है तो कुछ अच्छा बिज़नेस लगाएं। जनता का सेवा करें। उसके लिए मैं चाहती हूं कि हमारे जनता का भी उद्धार हो जाए। लेकिन कोलवाशरी से बिल्कुल नहीं होने वाला क्योंकि जान उसमें रखा हुआ है। आदमी का जान चला जा रहा है। इतना खुल चुके हैं भाई। बिजनेस वहां लगाया जाता है जहां जंगल है, जहां कुछ है वहां पर कोलवाशरी को लगाया जाता है। यह नहीं कि ग्रामीण के पास लगा रहे हैं। जहां पर निवास करते हैं हमारे जनता। अभी जनता को समझ नहीं आ रही है। कुछ दिन लग जाएगी। फिर जनता समझ जाएंगे क्या होता है। कपड़े में जो धुल रहेगा जितना भी। मैं क्या बताऊं? खाने में धुल रहेगा जितना भी लेंगे लोग। मैं खुल के विरोध करती हूं। यह दोबारा नहीं होना चाहिए। यदि होगा तो फिर हमसे पहले कुछ हो जाएगा। हम जाएंगे आवाज के लिए। जहां भी जाना पड़ जाए, चाहे हमको जेल जाना पड़ जाए, हम जेल जाएंगे। जनता के लिए।

76. **श्री लखन टंडन, ग्राम पंचायत बेलतरा, ब्लॉक कांग्रेस अनुसूचित जाति ब्लॉक अध्यक्ष** :— मैं अरपा कोलवासरी के विरोध कर करत हव। विरोध एकर बर हे के छत्तीसगढ़ ला धान के कटोरा कहिथे, लेकिन ये सिर्फ मौखिक रहिगे हे धान के कटोरा ह ये उद्योग के कटोरा होगे हे। व्यापारी के कटोरा होगे हे बड़े—बड़े

उद्योगपति मन के कटोरा होके रहिगे हे। मैं येकर विरोध करत हव। अभी ये हमर बगल म हे कोल वॉशरी ये कोल वाशरी म जाके देखव के कै एकड़ खेत बंजर पड़े हे। ये कोल वाशरी खुल से अउ कई एकड़ खेत बंजर पड़े रईही। ऐकर हम पुरजोर विरोध करत हन। अउ आने वाला समय म यदि शासन प्रशासन ध्यान नई दिही तो आगे के लड़ाई लड़बो। चाहे हमन ल कुछ भी करे ल पड़य सरपंच गांव के जनता मिल के हमन सड़क से लेके चक्का जाम धरना प्रदर्शन सब करबो। हम सब जनता के साथ म रहिबो। ऐकर हम खुल के विरोध करत हन।

77. **श्री निर्भय दास मानिकपुरी, ग्राम भिलाई** :– ये बहुत ही दुखभरी कहानी है। यह जो अरपा कोल बेनिफिकेशन जो है। आज हमारे ग्राम भिलाई में खुलने को है। इसके पहले यह एक जनवरी को किसान परसदा के मैदान में सुनवाई होना था। मैं उसमें बढ़चढ़ के हिस्सा लेकर के उस तिथि को स्थगित करवाया था। उसके बाद फिर जब आया और आज जो कोलवासरी खुलने वाला है उस जगह से 300 मीटर में मेरा घर है। वहां तीन–चार मकान बना हुआ है और वह रास्ता आपका सीपत से लेकर के हरदाडीह, रलिया और जयरामनगर को आती है। मैं जहां 300 मीटर में हूं आप समझ सकते हो। वहां कोलवशरी खुलने से मेरे परिवार के साथ–साथ आसपास के जितने भी क्षेत्र के वासी हैं उनका क्या हाल होगा। हमारे जो सीपत एनटीपीसी सुपर थर्मल पावर जो सीपत में खुला हुआ है इसका राखड़ जो है कुछ तक की जाती है। सोचो कहां तक ये दूरी तय करती है और जो कोलवाशरी जो मेरे घर के सामने खुलने वाली है। आप सब भली भांति परिचित है उद्योग बनता है अरबपतियों के लिए, गरीबों के लिए नहीं है। अभी हम जो गरीब इसलिए बने हुए हैं कि एक रुपया फ्री का जो चावल है हम उसमें निकम्मा हो चुके हैं। हमारी जमीन जो है बड़े बड़े उद्योगपति लेकर के अपना कहना चाहिये बना रहे हैं तो किसान जो है खेती कहां से कर पाएंगे और यह कैसे किसानी की बात रही। उसके बाद जब कोलवाशरी आ गई तो यहां हर नागरिक आसपास के जितने भी उनको कैंसर, छय रोग और न जाने क्या बीमारी होगी, यह तो ऊपर वाले ही जानेंगे। मैं चाहता हूं कि अरपा कोलवासरी जो है यहां न खुले।

78. **श्री करन मधुकर, ग्राम–गतौरा, देवरी** :– कोलवाशरी वापस जाओ, वापस जाओ। कोलवाशरी वापस जाओ, वापस जाओ। वक्त बहुत कम है। जितना दम है लगा दो और कुछ लोगों को मैं जगाता हूॅ, कुछ लोगों को आप जगा दो। पूर्व में भी सात जनवरी को हमारे ग्राम गतौरा, भिलाई किसान परसदा, रलिया, बेलटुकड़ी पूर्व में भी सात जनवरी को जन सुनवाई यहां होने वाला था। उस समय भी हमने पुरजोर से

विरोध किया था। पर यह कोलवासरी खोलने वाले आपको यह नहीं बताएंगे कि उस कोलवासरी के आसपास के जो गांव हैं, जो ग्राम है उसमें क्या उनको नुकसान होगा। यह कोलवासरी प्रबंधक और उसके कोलवासी किन्हीं भी प्रकार से कोई भी संस्थापक कोई नहीं बता पाएंगे। निकलने वाली है कोलवासरी से अर्सेनिक, सेलेनियम जैसे ऐसे रासायनिक तत्व निकलेंगे जिसके माध्यम से पूरा आसपास में रोग और बीमारी का बाढ़ आ जाएगा। हमारे गांव के तालाब, पानी, जंगल, जमीन सब नष्ट हो जाएगा। यह हमको और आपको समझना है साथियों। यह व्यक्ति जितने भी हमारे पूर्व में भी गतौरा के पास राखड़ डेम खुला है उसमें से ना जाने कितने सारे ऐसे पूरे कण और ऐसे प्रदूषण पूरा आसपास का प्रदूषण रहित कर दिया गया है। ऐसे परिस्थिति में वहां कोई भी व्यक्ति आंगन में खाना खा नहीं पाता है। सभी अपने आप अपने आप को आत्महत्या करने के समान पाते हैं। आज फिर हमारे गांव के समीप ऐसे कोलवासरी खुलने वाला है। साथियों, मैं आपको बता दूं इससे हमारे फसल बर्बाद होगा, इससे हमारे पानी जल का स्तर कम हो जाएगा, इससे हमारे जंगल नष्ट हो जाएगा, इससे हमारे जमीन बंजर हो जाएगा। पर यह प्रबंधक कोई आपको नहीं बताएगा। आस पास सिर्फ हमारा मस्तूरी विधानसभा में हमारे आस पास इतने सारे कोल फैक्ट्रियां और इतने सारे डेम बना दिया गया है जिसके मस्तुरी आज पूरा प्रदूषित रहा है और सबसे ज्यादा मस्तूरी आज प्रदूषण है। साथियों आपसे निवेदन है इस कोलवासरी का पुरजोर विरोध करें नहीं तो आने वाली पीढ़ी हमको कोसेगी। आने वाली पीढ़ी बोलेगी कि ना बड़े भाई, ना हमारे माता, ना पिता उस समय जागरूक थे परंतु किन्हीं भी प्रकार से कोई भी विरोध नहीं किया। हमको आने वाली पीढ़ी को देख कर चलना है, इसलिए इस कोलवासरी को विरोध करना है। दो शब्द के माध्यम से मैं आपके अपने अंतस्त में आप लोगों के दिल में पहुंचाना चाहता हूं कि हो गई फिर पर्वत से अब पिघलनी चाहिए इन्हीं किन्हीं हिमालय में अब गंगा निकलनी चाहिए। मेरे आस पड़ोस के गांव घर हर एक व्यक्ति चाहे वो जिंदा हो, चाहे वो मृत उसके मुंह से विद्रोह और विरोध होना चाहिए और हंगामा खड़ा करना हमारा मकसद नहीं। सारी कोशिश है कि सूरत बदलनी चाहिए और मेरे सीने में नहीं तो तुम्हारे सीने में सही आग कहीं भी हो लेकिन जलना चाहिए। अरपा कोलवासरी वापस जाओ। अरपा कोलवासरी वापस जाओ।

79. **श्री लखन सुबोध, ग्राम–मस्तूरी** :– दोस्तों मेरा नाम लखन सुबोध है और मैं मस्तूरी में 1982 में सरपंच था और इस इलाके का मैं रहने वाला हूं। और इन गांव में जहां पर यह प्रस्तावित कोलवासरी खुलने वाला है, इसके संबंध में मैंने लोगों से मिला,

जानकारी लिया और उसके आधार पर हम लोगों ने आज की इस जन सुनवाई के विरोध में हमने एक पत्र लिखा है जनसुनवाई के प्रभारी अधिकारी को। मैं ज्यादा कुछ नहीं बोल करके इस पत्र को पढ़ देता हूं और पढ़ने के बाद में आप समझ लेंगे कि हम लोग किस तरह के आपत्ति दर्ज कर रहे हैं। इस कोलवासरी का विरोध करने के लिए हमने एक प्लेटफार्म बनाया है जिसका नाम है कोलवासरी दुष्प्रभावित ग्रामीण संघर्ष समिति सीडब्ल्यूडीजीएसएस और इसके प्रति प्रभारी अधिकारी जो भी है यहां पर उनको संबोधित किया गया है। हमारा आपत्ति निम्न बिंदुओं पर है। सबसे पहले नंबर वन जनसुनवाई के स्थान संबंधी आपत्ति जहां की जमीन ली जा रही है, उस गांव में ही जनसुनवाई होनी चाहिए। परंतु आज वहां जनसुनवाई हो रही है। वह गांव से दूर है। रेल पटरी के दूसरी तरफ है। जिस वजह से प्रभावित लोगों को आने में परेशानी है। अतः इस जनसुनवाई को निरस्त कर कोलवासरी की प्रस्तावित जमीन के पास इस जनसुनवाई को करवाना चाहिए। दूसरा प्रोजेक्ट की जानकारी कानून के अनुसार जो कानून कहता है उसमें लिखा हुआ है। प्रोजेक्ट की जानकारी लोकल भाषा हिंदी में नहीं दी गई है। हमें इस प्रोजेक्ट की जानकारी समय से नहीं दी गई है। हमें जो भी जानकारी मिली है वह अंग्रेजी भाषा में ही है, जिसे हम नहीं समझ सकते। कानून के मुताबिक इस क्षेत्र में हिंदी में जानकारी दी जानी चाहिए थी। इसीलिए इस जनसुनवाई की कोई मान्यता नहीं है। तीसरा हमें रोजगार की उपलब्धता का झांसा दिया जाता है और भरगाना दिया जाता है पर आज दिनांक तक हमें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है कि कितनी नई नौकरियां उपलब्ध होंगी। किस श्रेणी की होंगी, स्थाई होंगी या अस्थाई होंगी और उनकी क्या पात्रता होगी। इस जानकारी के अभाव में यह जनसुनवाई स्थगित होनी चाहिए। चौथा हमारी जमीन को, किसानों की जमीन को धोखा देकर खरीदा गया है। हमसे बोला गया कि किसी प्रयोग के लिए जमीन खरीदी जा रही है। अगर हमें पता होता कि जमीन पर कोलवासरी बनेगी तो हम बिक्री के लिए कभी सहमत नहीं होते। पांचवां अगर इस जमीन को उद्योग के लिए उपयोग किया जाना था तो इसका नियमित रूप से भू–अर्जन कानून दो हज़ार तेरह के अंतर्गत अधिग्रहण किया जाना चाहिए था, जिससे हमें मुआवजा भी ज्यादा मिलता और नौकरी और अन्य लाभ भी मिलता। छठवां, यह क्षेत्र हरित क्षेत्र है इसलिए जमीन और फसल बुरी तरह से बर्बाद हो जाएगा और ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सातवां, पहले ही एनटीपीसी सीपत द्वारा कृषि भूमि को ले लिया गया है जिससे कृषि के लिए जमीन कम है। हमको, इसको हम अन्य प्रयोजन में देने के लिए पूर्ण रूप से असहमत हैं। हमारे गांव में मवेशी चलाने के लिए भी पर्याप्त भूमि नहीं है। आठवां, कोयले की वासरी से हमारे जल स्त्रोत प्रदूषित हो जाएंगे, जिससे

गांव में पीने के पानी की भी समस्या हो सकती है। नवां, वाशरी के राखड़ से गांव में वायु प्रदूषण भी बढ़ जाएगा, जो पहले से ही एनटीपीसी के सीपत प्लांट के कारण एक गंभीर समस्या बन चुका है। इससे फसल, सब्जी, घर, मनुष्य, मवेशी पर भी दुष्प्रभाव पड़ेगा। दसवा, कोयले की वासरी से कृषि भूमि के उत्पादकता पर भी असर पड़ेगा, जिससे हमारी वार्षिक आय भी कम होगी। ग्यारवां, प्रतिवर्ष हमारे गांव से लगभग चार सौ पचास से ज्यादा युवा–युवतियां पलायन करते हैं बाहर। इस कंपनी के लगने से और भी लोग पलायन करने के मजबूर हो जाएंगे क्योंकि कृषि बर्बाद हो जाएगा तो लोगों को कृषि आधारित रोजगार भी नहीं मिलेगा। बारहवां, भारी ट्रकों की आवाजाही के कारण रलिया और भिलाई के ग्रामीणों को बहुत परेशानी होगी। साथ ही हॉस्पिटल, स्कूल आने जाने का भी रास्ता प्रभावित होगा। तेरहवां, अंतिम बिंदु, प्रभावित क्षेत्र के नजदीक तीन स्कूल हैं, जिनके बच्चों के स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण और लगातार भारी ट्रकों की आवाजाही से दुष्प्रभाव पड़ेगा। चौदवां, जयरामनगर में इस क्षेत्र का एकमात्र सरकारी अस्पताल है जो बहुत प्रभावित होगा आने जाने के माध्यम से अतः उपरोक्त कारणों को ध्यान रखते हुए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि उक्त कोल वाशरी की स्थापना भिलाई और रलिया गांव में नहीं की जाए और इस जन सुनवाई के प्रावधानों के विफल होने के कारण निरस्त किया जावे और हमने इसमें संलग्न किया हुआ है। सरपंच ग्राम भिलाई द्वारा जिला बिलासपुर दिनांक 19.08.2025 एवं एसडीएम मस्तूरी दिनांक 20.08.2025 को प्रेषित पत्र की छायाप्रति है और नीचे हमने आवेदकों का जो लोगों के दस्तखत किया है और मैं आपको बताना चाहता हूं हमारे सम्मानित प्रशासन के लोगों को, हमारे तमाम नागरिकों को कि ये जो अगर सुनवाई रद्द नहीं की गई, यह जो कोल वाशरी की स्थापना रद्द नहीं की गई तो लोग समझते हैं कि कलेक्टर साहब ही पर्याप्त है। जी नहीं, इसके बाद भी तमाम आपत्तियों पे कंपनी एक्सन लेगा कलेक्टर साहब रिपोर्ट देखेंगें। हम संतुष्ट नहीं होंगें। तो कलेक्टर साहब को पार्टी बना देंगें। हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक जायेंगे।

80. **श्री भगत सिंह यादव, ग्राम–जोंधरा :–** यहॉ प्लांट नहीं खुलना चाहिए। जो कि एन. टी.पी.सी. हमको जमीन दिये है। लेकिन आज तक नौकरी नहीं मिली। उसको पूर्ण रूप से जिला प्रशासन समर्थन देता है। जानता है कि उसके बाद भी जिला प्रशासन समर्थन देगा। कोल वाशरी प्लांट खुलेगा तो प्रदूषण बढ़ेगा, दुर्घटना होगी और कई प्रकार की बिमारियॉ होगी। इसको मै कोल वॉशरी विरोध करता हुॅ। युवाओं को रोजगार मिलेगा, उनको झासा दिया जाता है। लेकिन क्षेत्रीय लोगो को रोजगार नही मिलता। इसलिए मै विरोध करता हुॅ। जब उस दिन एन.टी.पी.सी. के

अधिकारी और जिला प्रशासन के अधिकारी थे, और तो किसानों को बोलने का मौका नहीं दिये। इतने समर्थन दे रहे, प्रशासन के इतने लोग जो कि समर्थन दे रहे थे। मै क्षेत्रवासी और ग्रामवासी से अनुरोध करता हुं, कोल वाशरी खुलने का विरोध किया जाये।

81. **श्री प्रदीप कुमार साहू, ब्लाक–मस्तूरी :–** मै अरपा कोल वाशरी के विरोध करत हव। फस्ट बिन्दु बताथव, कोल वाशरी खुलही ता लईका मन जब स्कुल जाही ता बड़े–बड़े ट्रक चलथे ऐम दूर्घटना होय के संभावना बढ़ही। दूसरा बिन्दु मै बताथव जब कोई कोल वाशरी खुलथे ता गांव के मन ला आज तक के कोई सुविधा नई देवय। बस गांव के जनता मन ला भूलवा के रखथे। ये पाये के मै विरोध करत हव। तिसरा बिन्दु मै बताना चाहत हव स्थायी गांव वाला मन ला नौकरी देबो करके लालच मा रखथे। दू महिना ले तीन महिना रखथे ओखर बाद ओ मन ला निकाल के बाहर करथे। बाहर के परदेसिया मन ला लाके ईहा रखथे। ते पायके मै विरोध करत हव।

82. **श्री अमित सोनी, ग्राम–सीपत :–** यहॉ कोल वाशरी खुलना चाहिए। यहा भाई और बहनों जो कि बता के गये है, कि रोजगार बढ़े। आज छत्तीसगढ़ बहुत पिछे है। आप गुजरात चले जाईये, महाराष्ट्र चले जाईये बहौत तगड़ा विकसित राज्य हो गया है। अभी यहॉ कोल वाशरी खुलेगा तो रोड़, नाली, हास्पीटल, बिजली सब की व्यवस्था की जायेगी, कोल वाशरी के द्वारा। मैं चाहता हुं कोल वाशरी खुलना चाहिए। खुलने से पहले इसे बंद करना बहौत गलत बात है। जबकि इसका समर्थन किजिये लोगो को रोजगार मिलेगा, लोगो का विकास होगा। बहौत गलत बात है, छत्तीसगढ़, मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र से लोग युपी और बिहार यहॉ तक की जम्मु कश्मीर लोग रोजगार के लिए जाते है। वहा ईटा–विटा बनाया जाता है। कम से कम रोजगार के लिए वहॉ नही जायेगें। यहा कोल वाशरी खुलेगा तो करोड़ो रोजगार खुलेगा। रोड़ बनेगा, नाली बनेगा, व्यवस्था खुलेगी। पुरे समस्त कोल वाशरी से लोगो को सुविधा मिलेगी। जनता खुश होगी, यहा हॉस्पीटल नहीं है, नया हॉस्पीटल खुलेगा। नये स्कुल की सुविधा मिलेगी, स्कुल खुलेगा। मै चाहता हुं यहॉ कोल वाशरी खुले।

83. **श्री देव चन्द्राकर, ग्राम पंचायत बेलटुकरी उप–सरपंच प्रतिनिधि :–** रलिया मा जेन अरपा कोल वाशरी खुलत हे, ओखर मै जोरदार निंदा करत हव अवु घोर विरोध करत हव। सबले ज्यादा प्रभावित रलिया मा जेन कोल वाशरी खुलत हे, ओखर प्रभाव ग्राम पंचायत बेलटूकरी मा पड़ही। जोन सो ऐ कोल वाशरी खुलत हे, ओ

सोन मेर ले मोर गांव ह सिर्फ 100 मीटर दूरी त जन–जीवन बहुत ज्यादा प्रभावित होही। सबले बड़े बात ये हे, जेन सो कोल वाशरी खुलत हे ओ सोहमर धार्मिक आस्था के केन्द्र राउत गायक सिर्फ 10 मीटर के दूरी हे जेखर अस्तित्व समाप्त हो जाही। हमन किसान अप खेती के उपर आश्रित हन। हमर गाय–गरूआ गवां जाथे ता हमन देवता उतार करे ला राउत गाये ला जाथन ओ आस्था के केन्द्र हमर समाप्त हो जाही। त मै आप सब से निवेदन करत हव जेन कोल वाशरी हे तेन हमर किसान बर जहर घोले बर आथे। मै तो ये कहत हव जिला प्रशासन ला आप कोल वाशरी के केन्द्र बिन्दु जयरामनगर ला काबर बनाये हा। अभी 03 ठन कोल वाशरी हमर गांव तिर मा होगे। मै आप से निवेदन करत हव या तो आप ग्राम पंचायत बेलटूकरी ला, रलिया ला, बिलाई ला विस्थापन कर देवा या अन्ते बसा लेवा। ताकि हमर गांव हा फेर प्रदूषित होही तेखर ले बच जाबो। हमर लोग–लईका के गारी खाये ला बच जाबो। दुसर बात ये हे अब कोल वाशरी खुल जाही ता 10–10 इंच अवु 20–20 इंच के बोर खोदाही त हमन खेती कैसे करबो,नहर ले पानी कहा ले आही, सब जल स्त्रोत खतम हो जाही।हमर बर पिये के पानी खतम हो जाही। 25 साल से एन.टी.पी.सी. खुले़ हे तेखर रिसाव पानी हर बेलटूकरी म ले जाथे।अवु ओ म के जेन बेलटूकरी पानी जाथे तेन केमिकल पानी जाथे, अवु ओखर निस्तारी करथन ता हमर चुंदी ला देख लेवा, चुंदी नई ये झड़ गेहे।ता हमर चुंदी झड़ गे ता हमर शरीर कैसे टिकाय हे अवु शासन प्रशासन ला स्वास्थ्य के प्रति जरा सा व्यवस्था नई हे। येखर पहली जयरामनगर मा स्वास्थ्य केन्द्र हे पहली यहा एमबीबीएस डाक्टर रहिसे अब 15 साल ले एमबीबीएस डाक्टर नई ये खाली आर. एम.ए. के भरोसा से चलत हे, त ये व्यवस्था हे। हमर बगल मा 03–03, 04–04 ठन कोल वाशरी होगे हे। हमर गांव बेलटूकरी हर घेरा गेहे। अवु जहॉ तक मै तो कथौ पर्यावरण विभाग से निवेदन करत हव 25 साल एन.टी.पी.सी. खुले होगे, ओखर ले पुछा ग्रीन बेल्ट कती बर हे। सबसे ज्यादा हमन राख खात हन 15 साल होगे राशि स्टील पॉवर खुले हे 01–01 ठो पेड़ बता देवा, ओखर ले हमन प्रभावित हन। ओखर बगल म हमर जीवनदायिनी लीलागर नदी हे गंदा पानी ला कोल वाशरी ओही मन धड़का थे। ता एक ठन जीव–जन्तु नई ये, हमन ओखर पानी ला पीये नई सकत हन। औ जेन पानी ला हमन पीयत हन ओखर से हमन ला पेट से संबंधित कोढ़ संबंधित बहुत सारी बिमारी से पीड़ित हन। येखर बर आपके लिए कोई भी व्यवस्था नई होत हे, ता मै ये चाहत हव, कोल वाशरी हर हालत मा रलिया, बेलटूकरी मा खुलना नहीं चाहिए। मै येखर घोर विरोध करत हव। आपसे भी निवेदन करत हव, आप संज्ञान म ले हव ये भावना के साथ मै देव चन्द्राकर आप से ईजाजत ले थौ।

84. श्री अश्विनी गोयल, ब्लॉक अध्यक्ष छत्तीसगढीया क्रांत्रि सेना, ग्राम–मस्तुरी :– मै जनसुनवाई के पुरजोर विरोध करत हवमै कोल वाशरी के विरोध करत हव, ओखर ले जन सुनवाई के भी विरोध करत हव। जबकि इतना ठन सियान मन बोल डारिन हे हमर काखरो मन नई आवत हे कोल वॉशरी खोले मा ता आप सब ला जन सुनवाई बंद कर देना चाहिए। आप मन ला सबो गांव वाले मन ला पता होही कि के आस–पास के सब गांव वाले मन ला पता होही, एन.टी.पी.सी. के जो राखड़ डेम बने हवय। वो डेम हर 10 महिना ले करिया कुर्था हा सादा हो जाथे। भरे पानी म पुरा सादा खादा हो जाथे अब आप मन इहा कोल वाशरी लावत थवव। वो सादा म अवु एक बार कोईला के परत चढावत हावा। एक तो एन.टी.पी.सी. के डस्ट ले उर्वरा शक्ति कम हो गे हवय। डस्ट से उर्वरा शक्ति और कम होही। जमीन पुरा बंजर पड़ जाही, ता किसान काय करही। पुरा गांव के बीचो–बीच कोल वाशरी मन अपन जगहा म हवय ईहा, 4–5 गांव के बीचों बीच कोल वाशरी लगे हवय। अंते बर लगे होतिश ता, हमन ला कोई विरोध नहीं होतिश। लेकिन गांव के बीचो–बीच मा ओला जगहा देहव, ता हमन ओखर विरोध करथन। काबर की एक ही सड़क हे, दुनो 200–200 मीटर के अंतर मा दुठन सड़क हवय जे म लईका मन पढ़ही आना–जाना आगमन करथे। बड़े–बड़े ट्रक चलही, गाड़ी–घोड़ा चलही, त ये जयरामनगर रोड़, रलिया रोड़, भिलाई रोड़, कसौदी रोड़ येखर का हालत होही। मैं सब जनता कती ले कोल वाशरी अवु जन सुनवाई के विरोध करथव।

85. श्री हरि पात्रे, पूर्व विधायक प्रत्याशी, मस्तुरी, वर्तमान जिला–उपाध्यक्ष :– मै कोल वाशरी के पुरजोर विरोध करथव। ये कोल वाशरी, मस्तुरी विधानसभा अवु हमर भुइया मस्तुरी क्षेत्र म नई खुलना चाहिए ता नई खुलना चाहिए।

86. श्री लोकेश पटेल, ग्राम–रलिया :– हमारे क्षेत्र के बड़े–बड़े अधिकारी, प्रशासन के अधिकारी, पर्यावरण के अधिकारी मौजुद है। सभी लोगो को मै अपना विचार एक ही शब्दो में बोलना चाहता हुॅ, ज्यादा करके कि मै पुरा विरोध करता हुॅ। प्रमुख कारण नोट करने का है, कौडिया, पंधी, देवरी, नाथ, हर्दाडीह, कुआंपारा, सुखरीपाली, रलिया, भिलाई के बच्चे पढ़ने जायेंगे उनकी दशा क्या होगी। आप लोग बिलासपुर से आते होंगे, मोपका से जयरामनगर वाला रोड़ में। फरदा के पास जाते होंगे, भनेसर के पास क्या स्थिति है जब तालाब के पास जाते है। आज के गणना समय 300 बच्चे आ रहे जयरामनगर पढ़ने। शिशु मंदिर में, मिशन स्कुल, भगत सिंह स्कुल, जल संसाधन स्कुल में और सबसे बड़ी चीज, प्रशासन हम जनता का कभी ध्यान नहीं देते। इसका जीता–जागता प्रमाण मै लाकेश पटेल मरार, मै दलदल खेतो का पीडीत किसान हुॅ, मै सन् 2007 से परेशान हुॅ। प्रशासन कभी समय पर

नहीं देते 08 महिना 10 महिना तक घुमाते थे। दुसरा चीज सुनलो मेरे बंधु भाईयो कोल वाशरी से कल भी किसी फायदा नही हुआ है। आप खमरिया में जाकर देख लो, गतौरा में जाकर देख लो, भनेसर में जाकर देख लो। किसी को भी ड्राईवर के सिवाय अतिरिक्त काम सब्बल धरने वाला, फावड़ा धरने वाला, या कलम धरने वाला किसी को नौकरी नहीं मिलती। इस झांसे से मत आईये, ये सब दूसरा फैक्ट्री बनायेंगे ऐसा सोचकर ये वाशरी वाले मैं रलिया का निवासी हुॅ, मेरे गांव के लोगो को बहला दिया है। दूसरा चीज ये है मेरे गांव का कुल रकबा 700 एकड़ है, 150 एन.टी.पी.सी. खा लिया, 70 एकड़ दलदल में चला गया, 45 एकड़ आप खा लिये, 50 एकड़ सड़क में चला गया, हम खेती किसमे करेंगे सर। हमको जीने के लिए अनाज चाहिए। मै जाति का पटेल मरार हुं, और मै सब्जी बोता हुॅ, मेरे सब्जी काला हो जायेगी, तब आप खरीदेंगे क्या? क्या आप गारंटी ले सकते है। फिर भी मै गारंटी लेता हुं। मै विरोध करता हुॅ, विरोध करता हुॅ, विरोध करता हुॅ। इसलिए कोल वाशरी वापस जाओ, वापस जाओ, वापस जाओ। अन्यथा भविष्य में कुछ भी घटना होगा, मै 64 साल उम्र का हुॅ, अनुभवी व्यक्ति आपसे बात कर रहा हुॅ। कुछ भी आने वाले समय में मशीन में या जबरदस्ती आपका फिल्टर वहा स्थापना होगा, तो किसी प्रकार का हो घटना, इसका स्वयं आप जिम्मेदार होंगे। जो की बात हमारी रिकार्ड हो रही है। जय छत्तीसगढ़, जय मस्तूरी, और जय रलिया, सबको धरा देंगें हम बलिया, मेरा नाम राजू पटेल मरार है, हम बात करते करार है।

87. **श्री भानू बंजारे, ग्राम–रलिया :–** हमर ग्राम रलिया म अरपा कोल वाशरी बिल्कुल नहीं होना चाहिए। कोई भी हालत म नही खुलना चाहिए। हमर गांव से जयरामनगर 03 किलोमीटर के दूरी म हे। वहॉ आना–जाना हे, इहा अस्पताल आना हे, कोनो बिमार पड़े हे, कोई डिलवरी होगे। हमला आय–जाय मा बहुत तकलीफ होही, बड़े–बड़े गाड़ी चलही। त मै ये चाहत हव, कोल वाशरी वापस जाये। हमर गांव में कोल वाशरी नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

88. **श्री मुकेश राव, जनप्रतिनिधी एवं सामाजिक कार्यकर्ता, विधानसभा मस्तूरी :–** आज बहौत ही पिछड़ा और जनता को अभी तक ऐसा कुछ कार्य नहीं मिला है, आने वाले जितने भी प्लांट खुले है उसके चलते, पर इस कोल वाशरी से, यदि कोल वाशरी वाले जितने भी अधिकारी यहॉ, समस्त बैठे है, तो जनता का जितना भी वादा है। चाहे वो स्कुल हो, चाहे यहॉ का इन्फ्रास्ट्रक्चर हो, चाहे सड़क हो, सड़क की मुसीबत बहुत है, आये दिन एक्सीडेंट होती है। यह सारे चीजें यदि जनप्रतिनिधी होने के नाते और जनता का वादा आप सभी, यदि इसको पूर्ण करते है, तो इस कोल वाशरी का समर्थन करता हुॅ।

89. श्री अजय सूर्या, मस्तुरी ब्लॉक अध्यक्ष जोहार पार्टी, ग्राम–मस्तुरी :– मै जो रलिया मा कोल वाशरी खुलत हे, ओखर विरोध करथन। काबर की हमर छोटे–छोटे भाई बहन हे, आस–पास म स्कुल हे, औ कोल वाशरी के वजह से प्रदूषण फैलही, जेखर वजह से नवा–नवा बिमारी फैलही। ओखर वजह से जगह–जगह एक्सीडेंट होहय। औ साथ ही साथ पानी के बहुत कमी होहय हमर क्षेत्र म। पुरा किसान के क्षेत्र हे ये ओह्ह, छत्तीसगढ़ियॉ आदमी मन किसानी ही करबो हमन। औ पानी के कमी के नाम से हमर किसानी भी ढप्प करही। औ रही बात हमर छत्तीसगढ़ियॉ मन ला रोजगार मिलही, कोई भी रोजगार नई मिलय। काबर नवा–नवा बिमारी आ जाही तोर शरीर म ता काहा ले तोला नौकरी मिलही, सरकार का कईही पहली मेडिकल करवाओं। मेडिकल कइही शरीर मा बिमारी हे तोर। तेखर नाव ले मै कोल वाशरी के विरोध करथौ।

90. श्री राधे श्याम खाण्डेकर, ग्राम–पाराघाट :– आज मैं कोल वाशरी के विरोध करथौ। कोल वाशरी खुले हे आज, गाडी के आवाजाही पुरा बढ़ जाही। आज कम से कम पिछले बार के होराईजन के जो जन सुनवाई होये रहिसे आज वोला भूले नई हे। कम से कम 400 गाड़ी चलही, ऐखरो 400 गाड़ी और चलही आज ओखर लईका मन के का होही। हमर लईका मन कम से कम आस–पास के पुरा 500 से 600 लईका मन मिशन स्कुल जाथे, जयरामनगर स्कुल जाथे। बताथौ रलिया मस्तुरी तालाब पाराघाट से लेकर जयरामनगर के बीच म 200 आदमी के एक्सीडेंट होय हे। जयरामनगर से लेके मोपका तक 200 से ज्यादा आदमी के एक्सीडेंट होय हे। लेकिन आज ये शासन प्रशासन हर लोक सुनवाई करे आय हे। औ एक बार विरोध कर थौ,ये लोक सुनवाई होना रहिसे रलिया म होना रहिसे।

91. श्री संतोष केवट, खैरा, जयरामनगर :– मै चाहत हव कोल डिपो खुलना चाहिए।असन राजश्री प्लांट ला असन बंद कर दै, काबर धुर्रा माटी ला हमु मन खावत–पियत हन।ता राजश्री म जेन धुर्रा माटी राखड़ प्लांट के तेला हमन खावत हन। ता कोयला डिपो खुलना चाहिए।

92. श्री हरदीप कुमार सूर्या, सरपंच ग्राम–भिलाई :– मै कोल डिपो का भरपूर समर्थन करता हूॅ, क्योंकि मेरे गांव के क्षेत्र के नौजवान युवाओं को रोजगार मिलेगा। आज के दिन में आज के युग में रोजगार बहुत जरूरी है। क्योंकि खेती किसानी के लिए जो जमीन है, शायद वो वहॉ पर उपलब्ध नहीं है। तो मै इसका पुरा समर्थन करता हुॅं।

93. **श्री बिमल कुमार दिनकर, ग्राम–किसान परसदा :–** कोल वाशरी खुलना चाहिंए,ताकि सभी ग्रामवासियों को नौकरी मिल सके। तो कोल वाशरी खुलना चाहिए, खुलना चाहिए।

94. **श्री सनी बंजारे, ग्राम–भनेसर :–** कोल वाशरी नहीं खुले करके कई लोग बोल रहे, तो कोल वाशरी खुलना चाहिए। इससे हम लोगो को रोजगार मिलेगा। हम भनेसर के सब निवासी है, हम सबको रोजगार मिले, और कोल वाशरी खुलना चाहिये, और कोल वाशरी खुले।

95. **श्री धनराज सुमन, ग्राम–भनेसर :–** ये जो कोल वाशरी खुल रहा इससे हमको कोई परेशानी नही है। इससे हम लोग के गांव का विकास होगा। हम लोग को नौकरी मिलेगा। बहौत अच्छा है, और जो बाहर काम करने जा रहे हम लोग, तो पुरा गांव वाले, तो बहुत अच्छा सुविधा होगा।

96. **श्रीमती अहिल्या मानिकपुरी, पंच 01 नं. वार्ड, ग्राम पंचायत–जयरामनगर :–** कोल वाशरी के समर्थन करथौ कि कोल वाशरी खुलना चाहिए।

97. **श्री विनोद सिंह, मस्तूरी, ब्लॉक कांग्रेस, किसान कांग्रेस अध्यक्ष, ग्राम–मस्तूरी :–** कोल वाशरी के विरोध में खड़ा हुआ हुॅ। सर ये कोल वाशरी मै गतौरा में देखा हुॅ, उसी ग्राम तंबोली भैया का खेत है, जो बंजर हो गया है। मेरा विरोध है के यहॉ कोल वाशरी नहीं खुलना चाहिए। मै किसान कांग्रेस कमेटी की ओर से विरोध करता हुॅ।

98. **श्री रामफल सुमन, ग्राम–मोहतरा :–** मोर खेत हर गिट्टी खदान वाला मन पुरा धुर्रा करथै, ओखर, पुरा ये करे हे येमन। गिट्टी खदान वाला मन राखड़ ला पुरा डाल थे येमन, खेत मोर लगे हे बबलु सिद्धि।

99. **श्रीमती प्रमिला साहू, ग्राम–खैरा :–** मै विरोध कर थौ नई खुलना चाहिए।

100. **श्रीमती रामप्यारी साहू, ग्राम–जयरामनगर :–** कोल वाशरी खुलना चाहिए।

101. **श्री जयनारायण साहू, ग्राम–रलिया :–** हमारे गांव मे कोल वाशरी में कोई भी नाम निसान नई रहना चाहिए। क्योंकि हम बहुत दुखः पा रहे है। हर चीज में सड़क में,

उपर से हमारे बच्चे जयरामनगर आ रहे है, मिशन स्कूल आ रहे है। 20–22 मोटर चल रहा है, धूल चल रहा है। इसलिए कोल वाशरी नहीं चाहिए। हम लोगो का प्रतिबंध है, और जिसके गांव में जयरामनगर, खैरा वाले बोल रहे थे, वो अपने गांव में ले आए, कोल वाशरी को, हमको नहीं चाहिए।

102. श्री दीपक, ग्राम–भनेसर :– कोल वाशरी खुलना चाहिए।

103. श्रीमती कल्पना बिन्दु, ग्राम–भनेसर पंच एवं समाजिक कार्यकर्ता :– कोल वाशरी खुले, इसका विरोध करती हुॅ। पिछले बार जन सुनवाई में भी मैने विरोध किया था। ग्राम पंचायत भनेसर में जो कोल वाशरी खुला है। उसकी वजह से बहौत सारी तकलीफ हो रही, मैने पिछले बार भी कहा था, यदि कोल वाशरी खुलेगा तो, कई तरह–तरह की बिमारिया लोगों को होगी। जैसे–कोयले के डस्ट से और पानी के प्रदूषण से सर और हमारे गांव में बहौत सारे तकलीफे शुरू होना शुरू हो गया है। भाईयो और बहनों ध्यान से सूनिये ये कोल वाशरी खुलेगा तो हमारे गांव में जो कोल वाशरी है, बढ़ते–बढ़ते पुरा क्षेत्र कोल वाशरीयों का ही हो जायेगा। हम लोग शांति प्रिय लोग है और हम लोग भी स्वच्छता में जीवनयापन करना चाहते है। मै निवेदन करती हुॅ अगर की कोल वाशरी खुलेगा तो क्षेत्र में अस्थमा, ब्रोनकाईटिस, टयूबरक्लोसिस नाम के बढ़ रही है सर और भी बहुतायक से बढ़ेगें सर और जल स्तर भी कम हो रहा है। हमारे गांव में इससे पहले कभी भी इतना जल स्तर कम नहीं हुआ था। अभी गर्मी का दिन आया ही नहीं था और 8–10 घरों में जल स्तर कम हो गया था सर ये समस्या देखा हमने इस साल और ये कोल वाशरी खुलने से हमारे गांव जयरामनगर और आस–पास के गांव बेलटुकरी, भिलाई, रलिया और आस–पास के गांव में गतौरा में ये समस्या शुरू होगी सर और बहौत सारे लोग शांतिपूर्ण जीवन बिताना चाहते है, बिमारियों से ग्रस्त हो जायेंगे सर। अब किसानी की बात, मै भी एक किसान की बेटी हुॅ सर। बड़े गांव में जो कोल वाशरी खुला है, उसके कारण आस–पास के खेतों में पुरा काला हो जाता है। धान भी ठीक से हो नहीं पाता और बोते है तो पुरा काला पड़ जाता है, बीज बोते है तो ठीक से उग नही पाता सर और जिससे हमारा गांव प्रभावित है। इसलिए मै इसका विरोध करती हुॅ और भी कई बाते है सर हमारे गांव में कोल वाशरी खुला है तो कितनी सारी गाड़ियों का आवागमन होता है। हम महिलायें भी और जिनके बच्चे है, पदयात्री है हॉस्पीटल ले जाते है, मार्केट आते–जाते रहते है, कई तरह की तकलीफे होती रहती है, और दूर्घटना होने की संभावना है, और दूर्घटनायें हो चुंकि है। इस पर कोई कोल वाशरी है, ध्यान भी नहीं देते है सर। एक आखरी बात मै बोलना चाहती हुॅ, सबसे बड़ी बात सुबह उठते और रात तक से बरसात का दिन खत्म होता तो

डस्ट से पुरा गांव भर जाता है। सांस लेने में तकलीफ होती है। कई बार मै अपने महिला टीम के साथ कोल वाशरी जाकर निवेदन करती हुॅ कि कोल वाशरी से जो धुंआ निकलता है, काला–काला उसमें पानी का छिड़काव किया जाये, ये काम नहीं करते है सर, जिससे हमें बहौत परेशानी होती है। दूसरी बात हमने निवेदन किया जहां–जहां खुला है वहॉ–वहॉ स्प्रिंकलर की व्यवस्था किया जाये। आज तक वहॉ स्प्रिंकलर दिखाई नहीं देता है सर जिससे पानी का छिड़काव हो और कोयला का डस्ट छान दो कम से कम। हमारे निवेदन करने पर ध्यान नहीं दिया गया है। इसलिए मै अरपा कोल वाशरी का विरोध करती हुॅ और दूसरी बात सर आवागमन विषय में महिलाये भी युवतियां भी और स्कुल के बच्चे भी स्कूटी में मोटर साईकिल में साईकिल में आना–जाना करते है। कोल वाशरी खुलने से गाड़ियो का आवागमन और भी अधिक मात्रा में होगा। ट्रक है ट्रेलर मै भी गाड़ी चलाती हुॅ सर हमारे गाड़ियो का आवागमन होता है तो ट्रक के मारे हम लोग कई घंटे पिछे हो जाते है सर जिस काम के लिए निकलते है, पिछे हो जाते है। इसका विरोध करते है सर मेरे महिला टीम के साथ इसका विरोध करती हुॅ। मै ध्यान और भी ध्यानाकर्षण कराना चाहती हुॅ। निवेदन है कि भनेसर मे इतनी कोल वाशरीयॉ है। गाड़ी के आवागमन से धूल डस्ट होता है, पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। आप से निवेदन है कि ये अरपा कोल वाशरी का हमारे विरोध को देखते हुए इसे ना खोला जाये और जो पहले से कोल वाशरी है उसमें से जो परेशानियॉ आ रही है, उसमें ध्यान दिया जाये। इतना कहकर मै अपने वाणी को विराम देती हुॅ।

104. **श्री अखिलेशराम, ग्राम–गतौरा :–** ये कोल वाशरी से हमको कोई फायदा नहीं है पहला चींज दूसरा चींज ये है सर जो एन.टी.पी.सी. खुला है उसमें तो कोई मुलभूत सुविधा नहीं दे पा रही है। ये जो कोल वाशरी हमको क्या देगा, ना सड़क है। सड़क भी ठिक नहीं है प्लस दूर्घटना की आशंका है। ये तो आये दिन होते रहता है। एन.टी.पी.सी. का वो ही हाल है। फसल का नुकसान हो रहा है और जब कोल वाशरी खुल जायेगा तो फिर फसल में ग्रोथ हो नहीं पायेगा और पहला चींज खाद का व्यवस्था भी नहीं है अभी तक और कोयला का जो डस्ट उसमे से तो कोई व्यवस्था नहीं हो पायेगा। इसलिये हम लोग चाहते है कोल वाशरी ना खुले, कोल वाशरी वापस जाओं।

105. **श्री समीर बंधे, ग्राम–भिलाई** :– कोल वॉशरी खुलना चाहिए। सभी को काम मिलना चाहिए।

106. श्री अनिकेत कुमार खांडेकर, ग्राम–पाराघाट :– हम कोल वॉशरी का पूरे जोर से विरोध करते है, कोल वॉशरी खुलने से हम लोग का कोई फायदा नही है पूरे आसपास के इलाके में प्रदुषण बढेगा। इसलिए हम कोल वॉशरी का पूरे जोर से विरोध करते है, कोल वॉशरी वापस जाओ, हम इसका विरोध करते है जितने भी जन प्रतिनीधि है सब आकर इसका विरोध करीये। कोल वॉशरी का समर्थन न करे, कोल वॉशरी वापस जाओ इसी के साथ मैं वाणी को विराम करता हुॅं।

107. श्री रामपासी, ग्राम–सिलतरा :– मैं समर्थन करता हुॅं।

108. श्री किसन साहू, ग्राम–खैरा :– मै पढाईयां लईका हो मै अरपा कोल वॉशरी के पूर्ण विरोध करत हो अऊ ये जनसुनवाई के भी विरोध करत हव। ऐखर कारण है कि एनटीपीसी और राशि प्लांट के डस्ट अऊ कोयला डम्पिंग के डस्ट, जल वायु, एवं भूमि प्रदुषण होवत हे, अऊ कई झन ला प्रलोभन दे कर ये कहावत के प्लांट खुलही तो कई झन ला रोजगार मिलही। उमन ला मैं कहत हव कि राशि प्लांट व एन.टी. पी.सी प्लांट ला कई झन ल रोजगार मिले हे। मिले हे कि हेल्फर और अन स्कील्ड के मिले हे। स्कील्ड और अन स्कील्ड ला बिहारी और बंगाली मन ल रोजगार देत हे कय झन ल देत है रोजगार, बोल छत्तीसगढ़ महतारी की जय कोल वॉशरी वापस जाओ वापस जाओ।

109. श्री संतोष कुमार साहु, ग्राम–कन्हारभाटा :– मैं कोल वॉशरी को वापस करने के लिए मैं समाधान कर रहा हुॅं, मेरे जितने भी भाई–बंधु बहिनी है, हमारे गांव मे कोल वॉशरी नही होना है वापस जाए।

110. श्री कुलदीप भारद्वाज ग्राम–भिलाई :– मैं अरपा कोल वॉशरी का समर्थन करता हूॅं, जिससे युवाओ को रोजगार मिलेगा और गांव का विकास होगा।

111. श्री गिरीश, ग्राम–भिलाई :– मैं अरपा कोल वॉशरी का समर्थन करता हुॅं इससे गांव का विकास और युवाओ को रोजगार मिलेगा।

112. श्री गौतम साहु, ग्राम–जयरामनगर :– मैं अरपा कोल वॉशरी का पूरे जोर से विरोध करता हुॅं विकास के नाम पर विनाश किया जा रहा है यूपी, बिहार के लोगो को यहां पर ला कर बसाया जा रहा है। रायगढ़ में जितना कोल वॉशरी मे यूपी,बिहार के लोग आ कर राज कर रहे है वही हाल राशि स्टील प्लांट में है, केवल और केवल अनस्कील्ड लोग केवल और केवल लेबर कैटेगिरी के लोग 250 रू. के

हिसाब से बारह–बारह घंटे मजदुरी करा रहे है इससे नया कुछ होने वाला नही है कोल वॉशरी का पुरे जोर से विरोध करता हुॅ विरोध होता रहा है हो रहा होता रहेगा, और जिसको भी विरोध नही करना है वो अपने घर में कोल वॉशरी खोल ले।

113. **श्री रामा टडंन, ग्राम–महमंद** :–कोल वॉशरी का समर्थन करता हुॅ।

114. **श्री अशोक सूर्यवंशी, ग्राम–जाली** :– मैं जिला पंचायत के सदस्य रहेव आदरणीय भूरे साहब रहिस हे मौर्या साहब भी रहिस हे अऊ सिद्वकी मैडम भी रहिन हे मै ग्राम जाली मे रहीथो ग्राम जाली, एनटीपीसी क्षेत्र मा रहथव। प्रभावित गांव है मै एक प्रभावित किसान हो, मैं जन प्रतिनिधि सदस्य रहे, जिला पंचायत सदस्य रहेव। विगत एक दिन दो दिन अपन चुनाव क्षेत्र म घुमत रहे मोर चुनाव क्षेत्र है रलिया, भिलाई, बेलटुकरी, एन.टी.पी.सी प्रभावित ला जानत हव। कोल वॉसरी है हिण्डाहीह ला भी जानत हव। क्षेत्र के आदमी ये कोल वॉशरी खुलना चाहिए करके समर्थन करत है अऊ मै समझ नही पावत हो मनोहर कुर्रे भईया कोल वॉशरी खुलना नही चाहिए। किसी भी तरह से लाभ नहीं है महोदय, पूर्व मा हमर राय साहब बोलिस हे, आप भी मन किसान हो किसान के लईका ह अच्छी तरह से जानत हे लेकिन आप के भी ड्यटी है ये कार्यक्रम ल कराये बर, खुलना नहीं चाहिए बोलना है तो बहुत टाईम तक बोल सकत हो। जतका झन ये जनता बैठे है ओखर तरफ से भी बोल सकत हो कोई भी हाल म ये कोल वॉसरी नही खुलना चाहिए। अउ खुले हे ओला भी बंद होना चाहिए। ये गतौरा मे है, ये हिण्डाडीह म है, यहां भी है ये सब बंद होना चाहिए महोदय जी। विगत क्षेत्र मैं घूमत हव। आप तो मस्तूरी क्षेत्र से आये है। बडे–बडे हाईवा, टेलर सब चलत हे। मोर तिर खुद है मै खुद एक ट्रॉसपोर्टर हॅू। जनता के दर्द ल समझत हो ये कोल वॉशरी वाले मन जनता ला परिवहन हेतु गाड़ी, टेक्टर आदि के नाम ल रोजगार देहु करके कहत है लेकिन इसना कुछ नइ करय कोई भी हाल मै कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए विनती है।

115. **श्री भोला शर्मा ग्राम–भिलाई** :– मै कोल वॉशरी का समर्थन करता हुॅ।

116. **श्री किशोर कुमार भार्गव, सरपंच, ग्राम पंचायत–रलिया** :– सर हमारी मृत्यु के कारण एन टी. पी.सी है ही जनता इससे पहले से ही परेशान है हम इसका पहले भी विरोध करते आ रहे है जिसके कारण समस्त गांव वासी पहले ही वायु प्रदुषण झेल रहे ह जल प्रदुषण भुमि प्रदुषण आदि से त्रस्त है ये सारी चीजो का विरोध हम पहले से ही शासन से कर रहे है किंतु ग्राम पंचायत कोई भी संज्ञान नही लेती एवं

80 प्रतिशत हमारी मृत्यु की सीढ़ी एन टी पीसी है और जो 20 प्रतिशत सीढी है उसको ये अरपा कोल वॉशरी जो है वो पुरा कर देंगे हमारे गांव को बसाने के बजाय वहां से हटाया जा रहा है हम इसका पूर्ण रूप से विरोध करते है हमारे गांव के 4300 जनता की ओर से मै अकेले ये विनती करता हुॅ कि ये कोल वॉशरी को वापस भेज दे इसका मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हुॅ ।

117. श्री धुरऊ लोहार, ग्राम–रलिया :– प्लांट

118. श्री अमित कुमार मरावी, ग्राम–कछार :– मै एक छोटा सा सामाजिक कार्यकर्ता हूॅ मै हेलमेट लगा कर आता हूॅ तो इतना दुखदायी है कि क्या बताये मै अरपा कोल वॉशरी का विरोध करता हुॅ अगर खुल भी गया तो विरोध करता रहूॅगा।

119. श्री सुनील डहरिया, ग्राम–भनेसर :– भनेसर गांव म अतका कन कोल वॉशरी खुले है कोई ल आज तक रोजगार दि ह का ये पुछ के बता देवा गा अऊ भिलाई वाले मन ऐखर विरोध काबर नही करत है कोयला डस्ट अपन भात म खा के जीहा का गा बता देवा भात म खा के जीहा का गा अगर होही ता ऐला विरोध करा ऐला खुले ला देबे मत करा, देवा सही कहत हो न साहब मै पढ़ लिख के भी अतका कन शब्द ला बोलत हव अतका समझदारी भी नहीं है पैसा बाटे ले कुछ नहीं होये। का करिहा कोनो माई के लाल ले के जाही का गा बता देवा कोनो पढ़ लिख के भी काबर ऐसना बात करत हो कोई ला रोजगार भी नही देवय देथे भी त वो कुली कबाड़ी के काम कराथे बात ल माना ऐ कोल वॉशरी वाले ला वापस भेज देवा अऊ जिहा के मालिक ल कहा के तै जिहा के हस वही जा कर अपन जगह म खोल अपन कोल वॉशरी ल हमन चुन कर सरकार बनाये हन वो सरकार भी ह काहे विरोध नही करत है आज जनपद पंचायत मे जा कर देखहा न रेंगे के रस्ता हे न गाड़ी खड़े करके रस्ता है हम छत्तीसगढ़ीया मन ल भगाये के प्लान ह मै कोल वॉशरी का पूरा विरोध करत हो अऊ गतौरा, परसदा के भाई मन ले विनती है के आप मन भी आकर विरोध कर देवा

120. श्री उमेश कश्यम, ग्राम–दर्राभाटा :– मै प्रदेश सचिव आप सभी सम्मानीय अधिकारी और विरोध करने आए सभी को प्रणाम करता हूॅ ये कोल वॉशरी खुलना नही चाहिए काबर की सीपत एन टी पीसी के रस्ता मे कतना राखड़ डस्ट धूल उड़त हे येला सब कोई जानत है खाड़ा मे धूल उड़त है हम मन अपन आने वाले समय म लईका मन ल का बताबो वो मन कैसे स्कुल जाही कितना दुर्घटना होथे येला मोर भाई मन

समझत नही है कब समझही जब कोखरो घर मे कोई दुर्घटना होही भगवान करय इसना मत होवय तब समझ आही के वो टाईम हमन ये बात ल काबर नही सोचे ये बात ल काबर नही रखें यही बात अपन भाई मन ल कहना चाहत हो, जावा देखा अपन खेत म जेन खेत म पहली 30 बोरा 35 बोरा धान होत रहीस अब कईसे नही होवय एन टी पी सी के आस पास प्रभावित खेत मन म पूरा राखड़ धूल भरे हे अऊ सबसे बडे बात तो ये है कि हम मन के जीवन 10 साल कम हो जाही अतका बड़े–बड़े बीमारी से ग्रस्त हो जाबो अभी मस्त हवा पानी आत है फेर इलाज कैसे कराबो पैसा कौन देही साहब मन के का ह वो मन तो गाड़ी म आही गाड़ी म जाही एक बार जा कर सड़क ल देखा कतका गड्डा है बरसात के मौसम मे एक मिनट खड़ा नही हो सका गांव जाहा ता पूरा काला काला हो जाथे हमन ल खुद शर्म आथे के कहां कहां ले आ गये मै सब भाई बहिनी से कहना चाहत हो कि कोल वॉशरी के विरोध करा कोल वॉशरी नही खुलना चाहिए।

121. **श्री कार्तिक राम पटेल, ग्राम–ईटवा, जनपद सदस्य मस्तूरी** :– अरपा कोल वॉशरी किसी भी हाल में इस क्षेत्र मे नही खुलना चाहिए ऑल रेड्डी पहले से 4–5 कोल वॉशरी है जिसके कारण प्रदुषित और ट्रक के आने जाने से जिंदगी दूभर हो गया है इस तरह जयरामनगर से आते है तो यही सोचते है कि कैसे सही सलामत घर जाये खेती का हाल हमारे पुर्व साथी द्वारा बताया जाता है कि खेत में धान काला पड़ जा रहा है फसल को कोई लेने वाला तैयार नही है धन लालच में आकर कोई भी भाई कोल वॉशरी को समर्थन मत देंगे। अपने भविष्य को देखिए मै इस अरपा कोल वॉशरी का पूर्ण जोर विरोध करता हूॅ।

122. **श्री सूरज कुमार, ग्राम–जयरामनगर** :– ये कोल वॉशरी खुलने जा रहा है। 100 मीटर की दूरी पर मेरा खेत है और कोल वॉशरी खुलने से मेरा जीवन का मैं भूमिहीन हूॅ शासन से मुझे जमीन मिला है। उस जमीन से मैं कास्तयकारी कर मैं परिवार का जीवन का पोषण कर रहा हूॅ। और इस अरपा कोल वॉशरी को पूर्ण रूप से विरोध कर रहा हूॅ।

123. **श्री देवेन्द्र कृष्णन, जनपद सदस्य मस्तुरी** :– आज पर्यावरण स्वीकृती के लिए जो कोल वॉशरी का जो जन सुनवाई रखा गया है उसमे मे 3, 5 बिन्दुओ पर तथ्य कहना चाहुंगा यह कि अरपा कोल वॉशरी खोलने से हमें दिक्कत नहीं है। लेकिन उसमें पॉलुशन होगा उसमें संपूर्ण रोकथाम का व्यवस्था रखें। जैसे कि डस्ट के लिए पासोधन यंत्र लगाइये, पानी एवलेबल कराईये। ताकि किसी प्रकार का गांव वाले को किसी प्रकार का कोई समस्या न हो। आप वहां 13 प्वाइंट कुछ हेक्टेयर लगभग

36 एकड़ जमीन को प्रभावित कर रहे है। कम से कम 20–30–40 एकड़ अगला जगह उसको आसपास हराभरा एरिया उसको ताकि पॉलुशन कम करके रहने योग्य बनाईये। ताकि वहां वृक्षारोपण करिये, ताकि पॉलुशन कम हो और सीएसआर मद का जो जैसे राशि स्टील प्लांट है सी एस आर मद का जो पैसा है उसको टाईम में देता नही है आज 3 साल हो गया सीएसआर मद को लगाही नहीं रहा है और मनमानी चला रहा है अगर खोल रहे है तो सी एस आर मद का सही टाईम में, सीएसआर मद से उनके शिक्षा, स्वास्थ्य उनके बच्चो का ईलाज पानी हो, ताकि सही टाईम में उनको इलाज का मुहैया हो। इसकी पूरी जिम्मेदारी अरपा कोल वॉशरी की होनी चाहिए। अगर अगल–बगल में वहां पर पॉलुशन फैल रहे हो तो वहां के आम नागरिको को देख–रेख उनकी जवाबदारी है। बस यही बात कह कर मैं अपनी वाणी को विराम देता हूॅ। और जो 75 लोगो को रोजगार देने का बात अपके द्वारा कहा गया है। उसमे यहां के लोकल लोगों को भी रोजगार दिया जाये। 75 लोगों को रोजगार देने का उसमें किसी भी प्रकार के बाहरी छत्तीसगढ के बाहर के लोग को रोजगार देंगे तो हम इसका विरोध करेंगें। मान लीजिए यहां के लोगो को देंगे रोजगार तो ठीक है। बस यही बात बोल कर मैं अपने वाणी को विराम दे रहा हुॅ और जो गाड़ी–घोड़ा चल रहा है वह दिन मे न चले, रात में चलेगा वह रात मे चलेगा 9.00 बजे के बाद चले। दिन में किसी प्रकार के लोगों को डिस्टब नहीं होना चाहिए। रात के 9.00 बजे के बाद चले, दिन में पढाई वाले बच्चों को डिस्टब नहीं होना चाहिए। ताकि रात में नो एंट्री का बोर्ड खोल के आवागमन दिया जाये।

124. **श्री दामोदार कांत ग्राम–जिला पंचायत सदस्य मस्तुरी :–** आज क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा आयोजित लोक जन सुनवाई में पर्यावरण सुनवाई रखा गया है तो ये जो सुनवाई हो रहा है अरपा कोल वॉशरी पुरी तरह से पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए उद्योग नीति का पालन करेंगे यहां के स्थनीय लोगो को रोजगार मिलना चाहिए, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण का सड़क खराब होगा तो सड़क का मरम्मत होना चाहिए। फसल खराब होगा तो उसका मुआवजा होना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र मे, स्वास्थय के क्षेत्र में लाभ स्थानीय लोगो को प्राथमिकता देते हुए रोजगार उपलब्ध कराएं तो हम उसका समर्थन करते है यदि नही करे तो उसका विरोध करेंगे।

125. **श्री राजू कुमार सुर्यवंशी, ग्राम–सीपत :–** आज जो जनसुनवाई हो रहा मैं उसकाघोर विरोध करता हुॅ कि जहां वॉशरी खुलना था वहां जनसुनवाई का कार्यक्रम रखना था। क्योकि वहां के स्थानीय लोग यहां आने मे असमर्थ है तो कार्यक्रम वहां रखना था। तो इसका मैं घोर विरोध करता हुॅ। वॉशरी खुल रहा है उसका भी मैं घोर

विरोध करता हुं पर्यावरण विभाग से आग्रह करता हूॅ निवेदन करता हूॅ कि जो प्लांट लग रहा है। लगने न दिया जाये। हम इसका घोर विरोध करते है। वहां प्लांट लगने से पर्यावरण प्रदूषित होगा। क्योकि मै सीपत का निवासी हुॅ एन टी पीसी में जो वहां पर्यावरण खराब हो रहा है। वहां की क्रियाक्लाप को अच्छी तरह से जानता हुॅ. कि और माननीय जितने भी अधिकारी आए है उनसे यह कहना चाहता हुॅ कि चुनाव में मेरी धर्म पत्नी कॉग्रेस पार्टी की जिला पंचायत सदस्य की क्षेत्र से चुनाव लड़ी है तो हम जब वहां प्रचार में निकलते थे। तो वहां की जनता की प्रमुख मांगो में थे। प्रथम मांग यह थी कि वॉशरी न खुले, उन्होंने हमसे आग्रह किया था कि अपने प्रमुख मांगो में इसको जरूर रखेगे कि क्षेत्र में वॉशरी न खुले। चूंकि मै जहॉ निवास करता हूॅ सीपत से लगा गतौरा गांव व हिण्डाडीह मे वॉशरी खुला। वॉशरी से जितना वहां घटना एक्सीडेंट वातावरण प्रदूषित व सबसे बड़ी बीमारी अस्थमा से वहां के लोग झूझ रहे है तो मे पर्यावरण विभाग से आग्रह करता हुॅ पूरे क्षेत्र की जनता की ओर से आग्रह करता हूॅ, निवेदन करता हूॅ की वहां प्लांट न लगने दिया और हम इसका घोर विरोध करते है, निन्दा करते है। और मैं जितने भी जन प्रतिनिधि है वो वॉशरी के सहयोग में खडे है। विरोध करना चाहता हूॅ। अगर उनके खिलाफ लडाई लडनी पढेगी। मै अश्वस्त करता हूॅ इस मंच के माध्यम से कि हम आज वॉशरी के खिलाफ लड रहे है। और जो जनप्रतिनिध इनका सहयोग कर रहे है। कल उनके खिलाफ भी लडाई लड़ेगे और आपसे आग्रह करता हूॅ पुनः निवेदन करता हूॅ। कि यहां वॉशरी न लगाये। यही कहते हुए मै अपनी वाणी को विराम देता हुॅ वॉशरी वापस जाओ कोल वॉसरी वापस जाओ।

126. **श्री निखिल यादव, ग्राम–जयरामनगर** :– मै इस कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हुॅ।

127. **श्री चंद्रपाल बलदेव, ग्राम भिलाई** :– मै पूर्ण रूप से कोल वॉशरी का समर्थन करता हुॅ।

128. **श्री राजेश कुमार बंजारे, ग्राम–रलिया** :– मै कोल वॉशरी के पूरा विरोध करत हव। काबर की हमें हमन ल बहुत समस्या ह एन टी पीसी से पहली से ही समस्या ह ऐहू कंपनी से भी समस्या के समाधान नहीं निकलत हवय। काबर की धूल धक्क्ड़ वाला कंपनी ऐहु हर हे अऊ धूल धक्कड़ वाला एन टी पीसी भी हावय । प्लांट लागये से पहले बहुत बडो–बड़े बात करथे, ओखर बाद सब ला भूला जाथे। प्रतिनिधी मन ल बस फायदा देथे जनता मन ला कोनो फायदा नही देथे। ऐसे जो

प्लांट है ओखर मैं विरोध करथो, ऐसे में प्लांट लगना है तो कुछ अच्छा प्लांट लगना चाहिए जो रोजगार मिलय। कोखरो स्वास्थय के संग खिलवाड़ मत होवय सके। ओखर से सब ला फायदा होना चाहिए। न कि धूल धक्कड़ वाला कंपनी जेमा गाड़ी घोड़ा चलय ऐइसन प्लांट के मै विरोध करता हुँ।

129. श्री रितेश कुमार यादव, ग्राम–जयरामनगर :– मै इस कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हुँ।.

130. श्री गुलशन कुमार डोंगरे, ग्राम–गतौरा :– मै कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हुँ विरोध इसलिए करता हुँ क्योकि मै पढ़ा लिखा इंसान हुँ पहला चीज यह है कि प्लांट आने से आदमी को प्रार्फीट नही होता है। बाहर के ही टेडंर उठायेंगे, बाहर के ही ठेकेदार काम करेंगे इन लोग सोच रहे है कि रोजगार रिर्जव होगा कोई रोजगार रिर्जव नही होगा छोटा सा कंपनी मे जाकर देखो छोटा से ठेकेदार आकर बोलेगा आपको के मै इस पोस्ट मे हुँ इतना एमाउंट दोगो तो आपको रोजगार दूंगा स्कील अनस्कील्ड होता है स्कील्ड मे पढ़े लिखे लोगो से पैसा मांगते है फिर जॉब मिलता है न की कोई आदमी बोल रहा है कि रोजगार के लिए वॉशरी खुलना चाहिए रोजगार के लिए इसका मै पूर्ण रूप से विरोध करता हुँ न रोजगार चाहिए न पॉलुशन चाहिए। आदमी स्वस्थ रहेगा तो काम कही भी कर सकता है।

131. श्री लक्ष्मीपुरी गोस्वामी, ग्राम–जयराम नगर :– मै कोल वॉशरी का विरोध करता हुँ।

132. श्री देव यादव, ग्राम–खैरा :– जमीन चाहिए और कुछ नहीं चाहिए।

133. श्री मनोहर कुर्रे, ग्राम–परसदा :– यहां सब विराजमान बेनर्जी साहब पैकरा साहब श्रीवास्तव साहब और सभी हमर कर्मचारी अधिकारी पुलिस डिपार्टमेंट के सबो तमाम कर्मचारी अधिकारी आए हे ये जो जनसुनवाई जो होत हे ओखर मे कड़ा निंदा से विरोध करत हो अऊ हमर विरोध करे के कारण ये हे के हमन ल ऐसन सपना 2002 म दिखाए रहिस हे जब एनटीपीसी खुलिस ता प्रभावित किसान मन ल बोले रहिस के हमन रोजी रोजगार देबो ईहु म लिखे हे क्लीन एंड क्लीन बेनर्जी साहब आप तो अभी आए हे, ये सब हम बहुत देखे हे, सुने हे किये और समझे है। लेकिन आज तक हम ये जो प्राजेक्ट ले कर आते है इनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का अतंर है ये लोग बोलते है कि हम लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा लगाऍंगे, भई आप लोग ये जनसुनवाई के माध्यम से क्लीन चिट देते है कि

आप लोग प्रोजेक्ट खोलिए चलाईए उनको नियम शर्तो को आप देखते समझते है और हम लोग को बताते है जनसुनवाई में ये बात कही जाती है कि प्रोजेक्ट आने के बाद पर्यावरण में किसी भी प्रकार कोई समस्या नही होगी। इस प्रोजेक्ट के आने के बाद इस धरती को कोई परेशानी नही होगी और प्रोजेक्ट आने के बाद पानी मे भी कोई समस्या नहीं आयेगी, मैं जनप्रतिनिधी रहा हुॅ परसदा से पूर्व जनपद सदस्य रहा हुॅ अभी मे जिला कॉग्रेस कमेटी का महामंत्री हुॅ इसके पहले जो प्रोजेक्ट ले कर आए थे। गतौरा में उन लोगो ने भी यही बात कही थी हम लोगो को सपना दिखाया गया था के रोजगार देंगे, कितने लोगों को रोजगार मिला आप के माध्यम से मैं पूछना चाहता हुॅ कि पर्यावरण संरक्षण के लिए कितने पेड़–पौधा लगाया गया बताया जाए? बोलते है कि हम लोग स्कुल खोंलेगे, अस्पताल खोलेंगे, सड़क बनायेगे, सीएसआर मद से। बताये हम लोगो को तो साहब यह कहने की बाते बहुत है आप लोग समझ रहे है। जिना दुर्भर हो गया है हम लोगों को, सैकडो लोग एक्सीडेंट के शिकार हो गये है। एनटीपीसी के प्रभावित किसान आपके ऑफिस मे दर–दर भटक रहे है, मिली क्या नौकरी उन लोगो को पूछेंगे इस बात को जाके मंथन भवन में बतायेगा, एस.डी.एम साहब आपके पास भी जाते है हम लोग निवेदन करने ये सब प्रभावित किसान है। 100 प्रतिशत उनकी जमीन चली गयी है क्यो नही देते नौकरी आप लोग, नीचे में नाम है उपर में नाम है। ये तमाशा खेल बंद करिये। सैकड़ो एकड़ जमीन जिसमे किसान अपना जीवन यापन करता है मुख्य किसान का धंधा खेती किसानी तो है, खेती करत हन ता धान पैदा होवत हे सब्जी पैदा होवत हे, सैकड़ो एकड़ प्रभावित होथे, कईसे जिही ओखर लोग लईका मन, कईसे पढ़िही ओखर लोग लईका मन, बोलना अगल बात हे, हकीकत मे देखिये हम लोग कितने परेशान है हम लोग भी चक्काजाम करते है, गतौरा मै भी हमारे वरिष्ठ कांग्रेस नेता कि मौत हो गई एक्सीडेंट में, यहां भनेसर में एक्सीडेंट हो गई। यही सब राशि प्रोजेक्ट आने के बाद, यही गतौरा में प्रोजेक्ट आने के बाद, यही एनटीपीसी प्रोजेक्ट आने के बाद, तो हम लोग शिकार होते जाऐं क्या? हम लोग का जीवन नहीं है क्या? हम लोग गंदा हवा ले क्या? हम लोग गंदा पानी पिये क्या? हम लोगो का खेती किसानी प्रभावित हो जाएं क्या? 100–50 एकड़ खेत मे दलदल पानी आ जाता है एनटीपीसी का उसमे हम लोग मुआवजा के लिए दौड़ लगाते है मिलता नही फिर वही बात हो रही है फिर एक नया प्रोजेक्ट को लेकर आ रहे है, अरपा प्रोजेक्ट गलत बात है आप यहां के धरती का उपयोग करेगें आप यहां के हवा का उपयोंग करेगें। आप यहां के पानी का उपयोग करेगें और यहां की जनता मरे क्या, आप देखना जो समर्थन कर रहे है इन लोगों को इनका अलग से चैंबर रहेगा, जिसमें एसी लगा रहेगा। शुद्व हवा लेंगे और हम धुल वाला हवा लेंगे।

समझ लीजिए आप लोग हमको दिक्कत तो नहीं है, दिक्कत आप लोग को होगा और आपको मै बताना चाहुंगा मित्तल साहब आप आज के दिन का शुरूवात अच्छे से नही किये है हिन्दु धर्म का नियम है कि पहला निवाला गाय या बैल का होता है आप ने कुत्तो को निवाला खिलाया है मै कड़े शब्दो आपकी निंदा करता चाहता हुं और जो गोल–गोल, मटोल शब्दो मे बात किये है वो समझ ले हमारे बीच के लोग जो चंद पैसो के लालच मे आकर समर्थन कर रहे है उनको मै बताना चाहता हुं आना जब एक्सीडेंट होगा तो हम लोग वही रहेगें, हम लोग जाये जेल, आप लोग करे समर्थन। हम लोग परेशान हो जाते है, हमको किसी चीज की जरूवत नहीं है। भगवान के देने से सब कुछ है हमारे पास। हमको हम इन लोग के लिए लड़ाई लड़ते है और इन लोग चंद पैसो के लालच मै आकर समर्थन करते है और इनकी मौत होती है इन लोग प्रभावित होते है इनका जमीन जाता है, हमारा भी जाता है ऐसा बात नही है लेकिन हम इनके हित की बात करते है ये जनसुनवाई बंद कि जाए और हमारे जो लखन सुबोध जी ने जो तर्क संगत बात कि है उस पाइंट को ध्यान में रखते हुए जनसुनवाई प्रभावित गांव में किया जाये, खैरा मे करने की क्या बात है, जयरामनगर मे करने की क्या बात है। नए सिरे से जनसुनवाई वहां हो और मै तो यह कहता हुँ कि इतने जनप्रतिनिधी लोग विरोध कर रहे है पंच कर रहे है, जनपद सदस्य कर रहे है, जिला पंचायत कर रहे है, तो बचा क्या है ? फिर तो कोई बचा ही नहीं है ये वॉशरी जो कोल वॉशरी है नही खुलना चाहिए और मे इस मंच के माध्यम से बोलना चाहता हुं कि जो भाई मंच में आकर लोग बोलने का साहस नहीं करना चाहते उनसे मैं कहना चाहता हूॅ कि आवाज देकर कहिए कि कोल वॉशरी नही खुलना चाहिए। वो आवाज देकर बोलिए कि खुलना चाहिए क्या? नही खुलना चाहिए, खुलना चाहिए क्या नही खुलना चाहिए। देख लीजिए साहब, कोल वॉशरी वापस जाओ, यह कोल वॉशरी नही खुलना चाहिए कोल वॉशरी वापस जाओ यह कहते हुए मै अपने वाणी को विराम देता हुॅं।

134. **श्री विनोद कुमार कौसले, ग्राम–रलिया :–** हमन तो राखड़ का खाकर भईया परेशान हो गे हन। अऊ हमन ला अइसे कुछ फायदा होत नई हे, तेखर वहज से हमन कोल वॉशरी के विरोध करत हन। कोल वॉशरी ला बंद करे जाये। ताकि हमर राखड़ खाना बंद हो जाये ओखर वजह से कोयला भी उड़ाही ओखर से हमन बहुत परेशान होही हमन ला दिक्कत होही। हमन विरोध कर चुके हन। कि हमन ला कोई निराकरण नई मिलय, हमन ला राखड़ खाये बर मजबूर होय बर पड़थे। हमन विडियो भी रखे हन कि हमन राखड़ खात हन विडियो हमन दिखा सकत हन। ऐसे

हमर शासन कुछ भी इंतजाम नहीं करय ताकि हमन राखड़ खाये से बच सके। इतना कही के अपन वाणी ला विराम करत हव।

135. **श्री राजू भार्गव, ग्राम–कछार :–** अरपा कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं।

136. **श्री युवराज बंजारे, ग्राम–कछार :–** अरपा पैरी का, कोल वॉशरी का विरोध करता हूं।

137. **श्री शिवा भार्गव, ग्राम–कछार** :– ये कोल वॉशरी का विरोध करता हूं।

138. **श्री सूरज भार्गव, ग्राम–कछार :–** ये खुल रहा है ये कोल वॉशरी का विरोध करता हूं।

139. **श्री मुकेश कुमार निर्मलकर, ग्राम–भिलाई :–** हम लोग इतना तकलीफ में हैं एन.टी. पी.सी. के कारण क्योंकि वो तो एक समय में आता है गर्मी के समय में एक महिना है ना उसमें हम लोग इतना तकलीफ में रहते है। तो ये है कि कोयला खुल जायेगा यहां पर तो वॉशरी खुल जायेगा, तो बहुत तकलीफ होगा। तो इसका तो मैं बहुत ज्यादा विरोध करता हूं कि बिलकुल खुलना नहीं चाहिए। वापस जाओ वापस जाओ कोल वॉशरी वापस जाओ, वापस जाओ वापस जाओ कोल वॉशरी वापस जाओ। धन्यवाद।

140. **श्री मनोज खरे, ग्राम–मस्तूरी :–** मैं सभापति कृषि स्थायी समिति जनपद पंचायत मस्तूरी मैं इस कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं। क्योंकि सबके सब जितना यहां पर बोले हैं लगभग 90 से ज्यादा 95 प्रतिशत विरोध में हैं। आप सब जानते हैं जहां जहां भी कोल वॉशरी खुला है, चाहे आपके हमारे खाड़ा जिला भी ले लो भनेसर ले लो या यहां यहां 4–5 और कोल वॉशरी है वहां की स्थिति देख लिजिए। एन.टी.पी.सी. का स्थिति देख लिजिए राखड़ और ये कृषि के क्षेत्र में एकदम नुकसान ही है। बोलते हैं वादा करते है रोजगार का लेकिन कुछ हो नहीं पाता है इसलिए मैं पूर्ण रूप से इस कोल वॉशरी का विरोध करता हूं।

141. **श्री कमल गुप्ता, पत्रकार, ग्राम–सीपत** :– इस क्षेत्र का पूर्व प्रेस अध्यक्ष हूं। अरपा कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं। जहां तक कार्यालय विभागीय राष्ट्रीय

जनक प्रबल उपसंभाग बिलासपुर का एक आदेश मेरे पास आया हुआ था। जिसमें 03 अ सभी भूजल स्तर का उपयोग इसमें रेडियस में नहीं है 03 कि.मी. संभागीय उपलब्ध कर। तो किस स्तर पर इसका जनसुनवाई यहां आयोजित की गयी है ये मुझे समझ नहीं आ रहा है। मैं पूर्ण रूप से इसका विरोध करता हूं।

142. श्री लक्ष्मी साहू, ग्राम–सीपत गुड़ी :– मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूं।

143. श्री गजेन्द्र पटेल, ग्राम–रलिया :– मैं कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं।

144. श्री छेदीलाल पटेल, ग्राम–बेलटुकरी :– मोर खेत हा बिल्कुल ऐखर से लगे हुये हे। ऐखर मैं पूर्ण रूप से विरोध हअवं भई। नहीं खुलना चाहिए।

145. श्री पंचनारायण, ग्राम–जयरामनगर :– कोल वॉशरी का पूर्ण विरोध करता हूं।

146. श्री अश्वनी कुमार खांडे, ग्राम–किसान परसदा :– मैं अरपा कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं। क्योंकि अभी हमारे सामने में गतौरा में रामा में खुला है कोल वॉशरी अपना ये भनेसर में खुला है कोल वॉशरी ये अभी स्टेशन में चल रहा है अभी। इस दिशा में चल रहा है अभी पूरे कोयला का प्रदूषण। हिण्डाडीह में खुला है आये दिन राखड़ का हम लोग के घर में प्रतिदिन घुसते रहता है ये सब पर्यावरण की प्रदूषित से हम बहुत ग्रस्त हैं। किसी को पथरी हो रहा है, किसी को टी.बी. हो रहा है, किसी को अस्थमा हो रहा है, और किसी को अन्य प्रकार की बीमारियां हो रही है जिसकी संरक्षण करने के लिए शासन प्रतिबद्ध तो रहती है पर अमल में नहीं लाना तो साथियों मैं इसका अरपा कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं और वहां ये भी पेपर में छपा है कि पहले से हम वहां पर वृक्षारोपण कर चुके हैं ऐसे बोला जा रहा है। आज के पेपर में दैनिक भास्कर में नवभारत में छपा है। लेकिन वहां तो पहले से पौधा बहुत है और वो पर्यावरण है वहां पर नाला है नाला में से किसान पानी से सिंचित कर अपना जीवन व्यापन करते है। अगर कोई वॉशरी वहां खुल जायेगा वहां का जो नाला है वो बंद हो जायेगा और कोयले की जो प्रदूषण है उस से वह प्रभावित होकर किसानों को सिंचाई के लिए खत्म हो जायेगा। इसलिए मैं कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूं। यही कह कर मैं अपने वाणी को विराम करता हैं।

147. श्री बघेलू यादव, ग्राम–खैरा :– मैं बोलना चाहत हव गरीब आदमी साहब जीयत खात पड़े हव पढ़े–लिखे मन तो मुंशीगीर ऐसी तैसी करके जी जाथे साहब। हमन तो पढ़े लिखे नई हन मन कामा जीबो साहब खुलना चाहिये साहब मोर नान नान लोग लईका 04 झन लईका हे साहब होही मा जीयत हन खात हन अउ मोर बेटी के साथ कोई गरीब ह कमा के सिगड़ी जला के भोजन बना थे 1000 म गैस सिलेंडर भरवायेच नई सकेय साहब। जीयत हन मालिक खोल दे मालिक भगवान।

148. श्री उत्तम सूर्यवंशी, ग्राम–गतौरा :– मैं पूर्ण रूप से विरोद्ध मा हव। यह खुलना नहीं चाहिये। क्योंकि खुल से बहुत ज्यादा नुकसान है पब्लिक को, नेताओं को भी और गांव के जितने भी बुजुर्ग है उनको भी। खुलना नहीं चाहिए।

149. श्री मनोज तंबोली, ग्राम–गतौरा :– खुलना चाहिए मतलब खुलना चाहिए।

150. श्रीमती जया मिशन, ग्राम–भनेसर :– सबको नमस्ते, कोल वॉशरी बिल्कुल यहां पे नहीं खुलना चाहिए क्योंकि मेरे घर में प्रोब्लेम है। एक छोटा सा बच्चा है उसको बाहर का वातावरण एकदम तकलीफ देता है। इसीलिये मैं नहीं चाहती कि मेरे परिवार में किसी भी प्रकार की समस्या आये। उसे गांव वाले का भला होना चाहिए उनके भी समस्या बहुत है और मेरे को पेड़–पौधा बहुत पसंद है। फूलों को उगाना बगीचा–वगीचा सब करती हूॅ। बहुत सारा बीज खाद और पानी लगाकर सेवा करती हूॅ। मगर एक भी पेड़ नहीं होता है, बहुत दुख लगता है। प्लीज आप इसे बंद करवा दे। दिस इज माई लास्ट वॉर्निंग ओके।

151. सोनू भार्गव, पंच प्रतिनिधि जयराम नगर :– मैं कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से विरोध करता हूॅ।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया, किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुए तद्उपरांत लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो पर परियोजना से संबंधित प्रतिनिधि को जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया। परियोजना प्रतिनिधि के रूप में श्री आर.एस. पाण्डेय, जनरल मैनेजर M/s Arpa Coal Benefication & Energy LLP, Village-Bhilai & Ralia, Tehsil-Masturi, District-Bilaspur (C.G.) द्वारा लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो के संबंध में मौखिक जानकारी प्रस्तुत की गई। लगभग

अपरान्ह 2:32 बजे अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, जिला–बिलासपुर द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में कुल 181 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से प्रस्तावित परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 151 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 350 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 100 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)